जीवन दर्शन

समय की रेत पर
कदमों के निशान
बैठकर नहीं बनाये जा
सकते - कहावत

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शनिवार 31 मई, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 109 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

अविनाश ने रचा इतिहास 36 साल बाद 3000मी स्टीपलचेज में गोल्ड...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

छवि के साथ खिलवाड़ को लेकर सद्गुरु जग्गी वासुदेव पहुंचे थे दिल्ली हाई कोर्ट...

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव की छवि के साथ खिलवाड़ करने के मामले को लेकर नाराजगी जाहिर की है। हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को सद्गुरु जग्गी वासुदेव के नाम, व्यक्तित्व और इमेज का दुरुपयोग कर बनाई गई एआई वाली सामग्री को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने यह अहम निर्देश सद्गुरु जग्गी वासुदेव के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा करते हुए दिया है। दरअसल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर लगातार यह शिकायतें सामने आ रहीं थी कि सद्गुरु जग्गी वासुदेव की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार की गई नकली आवाज, वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

अरशद, उनकी पत्नी शेयर मार्केट से बैन, 5-5 लाख का जुमार्ना भी लगा

मुंबई। सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया गोरेट्टी को 1 साल के लिए शेयर मार्केट से बैन कर दिया है। यह कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों में पंप एंड डंप स्कीम के तहत हेराफेरी के मामले में हुई है। सेबी ने इनपर 5-5 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। इन दोनों के अलावा इस मामले में 57 अन्य लोगों पर भी 1 से 5 साल तक का बैन लगा है। पंप एंड डंप स्कीम एक तरह की शेयर बाजार धोखाधड़ी है। इसमें कुछ लोग मिलकर किसी कंपनी के शेयर की कीमत को गलत तरीके से बढ़ाते हैं, जैसे भ्रामक खबरें फैलाकर या झूठी सलाह देकर। जब कीमत ऊंची हो जाती है, तो वो अपने शेयर बेचकर मुनाफा कमा लेते हैं।

डीजीसीए ने इंडिगो को 3 महीने का अल्टीमेटम दिया

नई दिल्ली। डीजीसीए (डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो को टर्किश एयरलाइन्स के 2 विमान उड़ाने का आखिरी 3 महीने का अल्टिमेटम दिया है। इंडिगो ने टर्किश एयरलाइन्स से 2023 में डील के तहत दिल्ली-मुंबई से इस्तांबुल के लिए डायरेक्ट फ्लाइट उड़ाने के लिए 2 बड़े प्लेन लीज पर लिया हुआ था। डील में विमानों के लिए तुर्किये एयरलाइंस के पायलट और क्रू सदस्य भी शामिल हैं। यह करार 6 महीने के लिए होता है। इसे हर छह महीने में नए सिरे से अप्रूव कराना होता है। एअर इंडिया ने सिविल एविएशन मंत्रालय से इसे आगे बढ़ाने से मना किया है। ये फैसला ऐसे वक्त में आया है जब तुर्की ने पाकिस्तान का साथ देते हुए भारत के खिलाफ बयान दिया था।

इंदौर के विकास को मिलेगी आज नई रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंदौर को मेट्रो रेल के रूप में अत्याधुनिक लोक परिवहन की देंगे बड़ी सौगात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई 2025 को भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इंदौर में शुभारंभ अवसर पर सुबह साढ़े 10 बजे से गांधी नगर स्थित मेट्रो स्टेशन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

इंदौर मेट्रो रेल का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जिसमें पाँच स्टेशन - गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं।

30 साल में तय किया तांगे से मेट्रो तक का सफर

इंदौर ने बीते 30 साल में जितने तेज बदलाव देखे, उतने कभी नहीं हुए। इन 30 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरा, नए अस्पताल, स्कूल कॉलेज खुले और शहर की लोक परिवहन व्यवस्था में भी बदलाव हुआ। 30 साल पहले तक शहर में तांगे और टेंपो का चलन था। प्रदूषण फैलाते टेंपो शहरभर में चलते थे। इनमें सफर करने वाले लोगों की सुरक्षा के भी कोई इंतजाम नहीं थे। समय आगे बढ़ा तो करीब 25 साल पहले टेंपो और तांगे बंद हो गए और फिर नगरसेवा (मेटाडोर) का दौर चल निकला। लेकिन, वक्त की तरह कोई चीज स्थाई नहीं होती। मेटाडोर के बाद उनकी जगह सिटी बसों ने ले ली। 60 से ज्यादा रुटों पर सिटी बसें दिनभर चलती हैं, हर रोज डेढ़ लाख से ज्यादा यात्री इन बसों में सफर करते है। वहीं, अब शहर में मेट्रो की भी आमद हो गई है।

यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। यह सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरूआत गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से होगी। उल्लेखनीय है कि इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज, और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रुपए है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रुपए है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आज रचा जाएगा इतिहास-यादव

भोपाल। देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को भोपाल के जंबूरी मैदान पर संबोधित करेंगे। महासम्मेलन के लिए भोपाल से 500 किलोमीटर के दायरे के 16 जिलों से महिलाओं को बुलाया गया है। दावा है कि कार्यक्रम में दो लाख महिलाएं शामिल होंगी। महिला महासम्मेलन में चार महिलाएं पीएम मोदी को सिंदूर का पौधा भेंट करेंगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में यह पहला महिला सम्मेलन है। वहीं, दतिया एयरपोर्ट पर उद्घाटन के दौरान जो प्लेन टेक ऑफ करेगा, उसकी पायलट भी महिला होगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू दतिया एयरपोर्ट पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। इधर, शनिवार को भोपाल में तेज आंधी चलने और हल्की बारिश का अलर्ट है।

8 वें दिन भी पता नहीं चला इंदौर के दंपति का, बारिश ने रोका खोज अभियान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शिलांग में लापता इंदौर के दंपति राजा और सोनम रघुवंशी का 8 वे दिन भी पता नहीं चल पाया है। वे शादी के बाद इंदौर से हनीमून मनाने गए थे। शुक्रवार सुबह डबल डेकर रुट पर बचाव दल पहुंचे, लेकिन तेज बारिश के कारण खोज अभियान गति नहीं पकड़ पाया। शिलांग में दो दिन तेज बारिश का अलर्ट है।

इस कारण दोनों को शुक्रवार को खोजा नहीं जा सका। उधर स्थानीय पुलिस ने नए सिरे से गाइड और स्कूटर संचालक से पूछताछ की, ताकि कुछ पता चल सके। जिस जगह पर स्कूटर लावरिस मिला था, वहां भी लोगों से पूछताछ की जा रही है। शिलांग पहुंचे राजा और सोनम

के भाई भी गांव के लोगों से मिल रहे है और इनाम की घोषणा के बारे में बता रहे है,ताकि यदि किसी ने उन्हें बंधक बनाया हो तो वे इनाम की राशि की घोषणा सुनकर उन्हें छोड़ दे। स्थानीय पुलिस अफसरों ने परिजनों को बताया कि बारिश थमने के बाद ही खोज अभियान शुरू हो सकेगा। आपको बता दें कि शिलांग के एसपी के नेतृत्व में बनी पुलिस की टीमें राजा रघुवंशी और सोनम को खोज रही हैं।

ओडिशा में इंजीनियर के घर से 2 करोड़ कैश बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा में विजिलेंस डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को एक चीफ इंजीनियर के 7 ठिकानों पर रेड की। इस दौरान उसके दो घरों से 2 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद हुआ। लाखों रुपए के सोने के गहने और महंगे कपड़े भी मिले हैं। विजिलेंस टीम को देखते ही चीफ इंजीनियर भुवनेश्वर स्थित अपने फ्लैट की खिड़की से 500 रुपए के नोटों के बंडल फेंकने लगा था। अधिकारियों ने नोटों की गड्डी बरामद कर ली है। कैश गिनने के लिए मशीनों का सहारा लेना पड़ रहा है। नोटों की गिनती जारी है। इंजीनियर की पहचान ओडिशा सरकार के कर्मचारी बैकुंठ नाथ सारंगी के रूप में हुई है। वह राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में काम करता है।

पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मिले पीएम मोदी

जारी रहेगी आतंकवाद के खिलाफ जंग-मोदी

कानपुर ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने कानपुर दौरे में पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कारोबारी शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अभी जारी रहेगी। मुलाकात को लेकर शुभम के चचेरे भाई सौरभ द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान हम बहुत भावुक थे और प्रधानमंत्री से मिलते ही परिवार के सभी सदस्य रोने लगे। सौरभ ने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भी भावुक हो गए

और उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार उनकी पूरी मदद करेगी।

आतंकवाद के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई-मोदी

शुभम के भाई सौरभ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। शुभम के परिजनों से पीएम मोदी ने चकेरी हवाई अड्डे पर मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उतरने के तुरंत बाद शुभम के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनके प्रति संवेदना प्रकट की। एक सप्ताह पहले कानपुर से सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए यहां के निवासी शुभम द्विवेदी के परिवार से मिलने का अनुरोध किया था। सांसद ने प्रधानमंत्री से 30 मई को कानपुर दौरे के दौरान शोकाकुल परिवार से मिलने का आग्रह किया था।

पूरा देश पीएम मोदी के साथ- शुभम के पिता

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा कि हमारा पूरा परिवार आभार व्यक्त करता है। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों को नष्ट कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

कांग्रेस बोली- केंद्र की विदेश नीति नाकाम

नई दिल्ली ■

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार की विदेश नीति को नाकाम बताया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार की फेल डिप्लोमैसी और कमजोर विदेश नीति की वजह से भारत की छवि को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि कोई देश पाकिस्तान को आतंकी देश नहीं कह रहा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी किसी ने भी आपके समर्थन में बयान नहीं दिया। यहां तक कि रूस ने भी पाकिस्तान के साथ पुरानी स्टील मिल दोबारा शुरू करने के लिए टङ्कव साइन किया है। अब इससे पाकिस्तान को रूस से 2.6 अरब डॉलर (21,660 करोड़ रुपए) मिलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- कोई

सबूत न मांगे, इसलिए ऑपरेशन का वीडियो रिकॉर्ड किया कांग्रेस के आरोपों के बीच गुजरात की एक रैली में पीएम मोदी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर का कोई सबूत न मांगे, इसलिए कैमरे पर रिकॉर्ड किया। जिन आतंकियों को मारा गया, उन्हें पाकिस्तान में सैन्य सम्मान दिए गए, जो दिखाता है कि पाकिस्तान सीधे इसमें शामिल था। ऑल-पार्टी डेलीगेशन में कोलंबिया गए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, कोलंबिया ने जो पाकिस्तान में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई, वह दुखद है।

भारत-पाक में न्यूक्लियर वॉर हो सकती थी, हमने रोकी-ट्रम्प

वॉशिंगटन ■

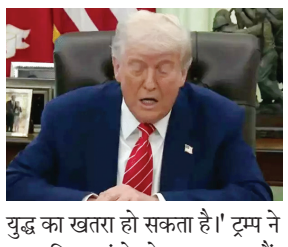

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रोकने का दावा किया। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मस्क के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की लड़ाई परमाणु तबाही में बदल सकती थी।

उन्होंने कहा- 'मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं का और अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। हमने व्यापार की भी बात की, और कहा कि हम उन देशों से व्यापार नहीं कर सकते जो एक-दूसरे पर गोली चला रहे हैं और जिनके बीच परमाणु

युद्ध का खतरा हो सकता है।' ट्रम्प ने कहा कि वहां के नेता समझदार हैं, उन्होंने बात हमारी मानी और लड़ाई रोक दी। ये प्रेस कॉन्फ्रेंस ट्रम्प और मस्क ने संयुक्त तौर पर की थी। दरअसल, मस्क ने ट्रम्प प्रशासन से इस्तीफा दे दिया है। इसी को लेकर दोनों ने मीडिया के सवालों का जवाब दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने मस्क की तारीफ की और उन्हें शानदार दोस्त बताया।

एमपी-यूपी में 10 दिन बाद मानसून आएगा

नई दिल्ली। 24 मई को मानसून की एंट्री के बाद यह 17 राज्यों में दस्तक दे चुका है। सिर्फ छह दिनों में देश में अब तक 33% ज्यादा बारिश हो चुकी है। गुरुवार को यह पूर्वोत्तर के बचे हिस्से और फिर सिक्किम पार कर पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्रों में पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को यह बिहार व बाकी पश्चिम बंगाल में पहुंच सकता है। हालांकि, अब इसकी रफ्तार थमने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में बना दबाव वाला क्षेत्र सागर द्वीप से होते हुए बांग्लादेश की ओर बढ़ेगा।

बीएसएफ ने 118 पाकिस्तानी अग्रिम चौकियां और उनकी निगरानी प्रणाली को पूरी तरह नष्ट कर दिया: अमित शाह

पुंछ (जम्मू कश्मीर) ■

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान को गहरी चोट पहुंचाते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 118 से अधिक पाकिस्तानी अग्रिम चौकियों और उनकी निगरानी प्रणाली को पूरी तरह नष्ट कर दिया। सुरक्षा स्थिति, अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने और पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों से बातचीत करने के लिए जम्मू क्षेत्र के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने इस माह के प्रारंभ में पाकिस्तानी आक्रमण का मुंहतोड़

जवाब देने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सराहना की ।

उन्होंने कहा कि इतने कम समय में इतनी सारी चौकियों को क्षतिग्रस्त या नष्ट करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि दुश्मन के निगरानी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाना बहुत बड़ा झटका है और इसकी भरपाई करने में पाकिस्तान को वर्षों लग जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आये शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ ने 118 से अधिक पाकिस्तानी चौकियां नष्ट कर दीं। उन्होंने कहा, जब पाकिस्तान ने हमारी सीमाओं और नागरिक क्षेत्रों पर हमला करके हमारे आतंकवाद विरोधी अभियानों का जवाब दिया, तो यह बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के जवान थे जिन्होंने 118 से अधिक चौकियों को तबाह और क्षतिग्रस्त करके जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा, उन्होंने दुश्मन की पूरी निगरानी प्रणाली को टुकड़े-टुकड़े करके नष्ट कर दिया झ्र एक ऐसी प्रणाली जिसे दोबारा बनाने में उन्हें चार से पांच साल लगेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बीएसएफ महानिदेशक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की संचार प्रणाली और निगरानी उपकरणों को बड़ा नुकसान पहुंचा है, जिससे वह काफी समय तक पूर्ण सूचना आधारित युद्ध लड़ने में असमर्थ हो जाएगा। अपेक्षाकृत शांति के समय में भी बीएसएफ की तत्परता की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि उनकी खुफिया जानकारी के कारण सटीक पूर्व-कार्रवाई संभव हो सकी।

व्यंग्य : नहीं गया राजाओं का जमाना : आज भी हैं भाट - चारण..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

शीर्षक पर आश्चर्य ना करें, क्योंकि ऐसी ही हकीकत वर्तमान राजनीति में दिख रही है. राजाओं के दौर में राजा की शान में कशीदे पढ़ने वाले भाट- चारण बेहतर इनाम पाते थे. आजकल भी राजनीति में कुछ ऐसा ही है. हाई कमान के गुणगान करो और नजरों में श्रेष्ठ बनकर उच्च मंत्री पद पर बने रहो एवं भविष्य का चुनावी टिकट भी पक्का करो..!

राहुल पीएम होते तो पीओके ले आते : मोदी के आगे सेना नतमस्तक..!

वर्तमान राजनीति में भाट - चारण अनुरूप तारीफ का ताजा प्रमाण यह है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी कांग्रेस पार्टी के हाईकमान राहुल गांधी को खुश करने के लिए बोला कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो आज वे पाकिस्तान से पीओके वापस ले आते.उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह नकार दिया और कहा कि कुछ भी नहीं हुआ. अब ऑपरेशन सिंदूर पर ऐसी ही बातें राहुल गांधी करते हैं तो स्वाभाविक है कि वे रेड्डी से बेहद खुश होंगे यानी उनका मुख्यमंत्री पद पक्का बना रहेगा.ऐसा नहीं कि कांग्रेस में ही ऐसे नेता हैं, अपितु बीजेपी व अन्य सभी दलों में हैं. दूसरा प्रमाण मई माह मध्य का है जब जबलपुर में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में इतने भावुक हो गए कि बोल पड़े कि प्रधानमंत्री मोदी के आगे सेना व देश नतमस्तक हो गया है. खैर देवड़ा के पूर्व कुछ भी बोलने वाले बीजेपी नेताओं पर मोदी तो खुश नहीं हुए और दो टूक कहा कि सोच समझकर बोला करें, लेकिन रेवंत रेड्डी के बारे में राहुल गांधी ने कुछ नहीं बोला है, क्योंकि उनके बोल में प्रधानमंत्री बनने की अप्रत्यक्ष शुभकामना छिपी है और इसके लिए ही तो राहुल गांधी पुरजोर कोशिश

कर रहे हैं तभी तो बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी कहा कि राहुल गांधी हों या रेवंत रेड्डी या जयराम रमेश उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है. पात्रा ने साफ कहा कि ये जो पाकिस्तान के बब्बर हैं, हिंदुस्तान के गब्बर हैं. खैर ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी से बैचेन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल के नेता कोशिश में हैं कि मोदी सरकार इस सफलता का श्रेय चुनावों में नहीं ले सके, लेकिन सत्य को झुठलाया नहीं जा सकता, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर हुए हमले के अनेक पुख्ता सबूत हैं जो पाकिस्तान को हुए नुकसान की सच्चाई बता रहे हैं और देश की जनता ने भी सराहा है एवं दुनिया के देशों का भी रिएक्शन अच्छा रहा है.

गुजरात टाइटंस आईपीएल-18 से बाहर, मुंबई ने 20 रन से हराया

रोहित शर्मा ने 50 बॉल पर 81 रन बनाए, बोल्ट को 2 विकेट

चंडीगढ़ ■

2022 की चैंपियन गुजरात टाइटंस आईपीएल-2025 से बाहर हो गई है। उसे एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने 20 रन से हराया। इसी के साथ मुंबई ने क्वालिफायर-2 में जगह बना ली है, जहां उसका मुकाबला एक जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से होगा।

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में शुक्रवार को मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। जवाबी पारी में गुजरात 20 ओवर में 6 विकेट पर 208 रन ही बना सकी। ट्रेंट बोल्ट ने 2 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीसन, मिचेल सैंटनर और अश्विनी कुमार को एक-एक विकेट मिला। साई सुदर्शन (80 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली। वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन बनाए। एमआई की ओर से रोहित शर्मा ने 50 बॉल पर 81 रनों की पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 4 छक्के लगाए। रोहित के अलावा, जॉनी बेयरस्टो ने 47, सूर्यकुमार यादव ने 33, तिलक वर्मा ने 25 और कप्तान हार्दिक पंड्या ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर को 2-2 विकेट मिले।

इंदौर में निगम ने हरसिद्धि से हटाई अवैध मंडी, नाले किनारे बनी बिल्डिंग तोड़ी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शुक्रवार को इंदौर में नगर निगम निगम ने दो स्थानों पर अतिक्रमण हटाए। हरसिद्धि से अवैध फूल मंडी की दुकानें सील की गई। इसके अलावा नाले किनारे बनी एक बिल्डिंग तोड़ी भी तोड़ी। दस साल पहले शेखर नगर में फूल मंडी लगती थी। वहां से जब बस्ती हटी तो मंडी भी शिफ्ट कर दी गई, लेकिन कुछ व्यापारियों ने हरसिद्धि मंदिर के पीछे मकान किराए पर लेकर काम शुरू कर दिया था। दो-तीन सालों से वहां सड़क पर भी फूल मंडी सजने लगी थी।

इससे रहवासियों को तकलीफ होने लगी थी। उनके घरों के सामने ही फूल लेने आने वाले लोगों के वाहन पार्क होने लगे थे। पिछले दिनों जनसुनवाई में रहवासियों ने इसकी शिकायत भी अफसरों से की थी। शुक्रवार सुबह रिमूवल गैंग मौके पर पहुंची और फूलों की चार दुकानों को सील कर दिया गया। दुकानदारों ने विरोध किया तो अफसरों ने कहा कि आवासीय भूउपयोग में दुकानें संचालित नहीं हो सकती है। यहां एक मांस की दुकान को भी सील किया गया। इसके अलावा स्कीम नंबर 54 में सी-21मॉल के पीछे एक चार मंजिला बिल्डिंग को भी नगर निगम ने पोकलेन की मदद से तोड़ दिया। यह निर्माण नाले के समीप किया गया था, जबकि नाले से 9 मीटर तक किसी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता। बिल्डिंग की ऊंचाई ज्यादा होने के कारण कुछ हिस्से को विस्फोट की मदद से उड़ाया जाएगा। बिल्डिंग में अवैध रुप से तलघर भी बना लिया गया था।

प्रेमी युगल ने खाया जहर, युवती की मौत शादी के लिए नाराज थे युवती के परिजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के राजेन्द्र नगर क्षेत्र में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक प्रेमी युगल ने जहर खा लिया, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लाया गया। उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई, जबकि युवक की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही भंवरकुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है।

भंवरकुआ पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 20 वर्षीय आयुषी के रूप में हुई है, जो तेजपुर गड़बड़ी क्षेत्र की रहने वाली थी। उसका प्रेमी 25 वर्षीय कपिल ऑटो रिक्शा चलाता है। रिश्तेदार दोनों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर आए थे। कपिल के भाई राहुल ने बताया कि रात करीब 10 बजे कपिल ने उसे फोन किया और बताया कि वह आयुषी के साथ है और मिलना चाहता है। जब दोनों मेरे पास पहुंचे, तो कपिल ने बताया कि उन्होंने जहर खा लिया है। पहले मुझे विश्वास नहीं हुआ और मैंने कहा कि आयुषी के परिवार से बात की जाए।

इलाज के दौरान मौत, देवगुराड़िया में रोका गया ऑटो

राहुल ने कहा कि दोनों ने मेरी बात नहीं सुनी और कपिल और आयुषी ऑटो रिक्शा में रवाना हो गए, लेकिन मैंने एक और ऑटो लेकर उनका पीछा किया और देवगुराड़िया के पास उन्हें रोका। उस समय दोनों की हालत काफी बिगड़ चुकी थी। उन्हें तुरंत एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान आयुषी ने दम तोड़ दिया। कपिल की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। आयुषी की मौत की खबर मिलते ही उसका परिवार अस्पताल पहुंचा। वहां स्ट्रेचर पर पड़े कपिल के साथ जमकर झूमाझटकी हुई, जिसे अस्पताल स्टाफ ने बीच-बचाव कर शांत किया। आयुषी के परिजन उसका मोबाइल लेकर वहां से चले गए। कपिल के भाई राहुल ने आरोप लगाया कि आयुषी की मां शादी के खिलाफ थी और इसके लिए 3 लाख रुपए की मांग कर रही थी। इसी कारण दोनों मानसिक दबाव में थे। फिलहाल भंवरकुआ थाना पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

श्रीमती वर्मा में महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित कर रही

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

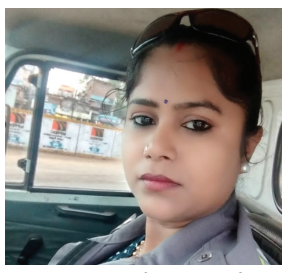

प्रातः स्मरणीय देवी अहिल्याबाई होलकर एक साहसिक महिला होने के साथ-साथ उन्होंने कुएं, बावड़ी, मंदिर, घाट आदि निर्माण कार्य भी करायें। समाज को नागरिक बोध के साथ-साथ उन्हें स्वच्छता का संदेश भी दिया। इसी कार्य को आगे बढ़ा रही है नगर निगम की महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा।

नगर निगम इंदौर की महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा आज महिलाओं को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की ओर भी प्रेरित कर रही है। महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा रोजाना सुबह 5 बजे घर से निकलकर आजाद नगर स्थित जीटीएस पर आती है और यहां से नगर निगम का ओपन डंपर लेकर वार्ड क्रमांक 52 की विभिन्न कॉलोनियों में घूम-घूम कर कचरा एकत्रित करती है, विशेषकर पांईटों पर रखा कचरा। फिर इस कचरें को नगर निगम के प्लांट पर ले जाती है। इस दौरान वह लोगों से आग्रह करती है कि वे कचरें को इधर-उधर नहीं फैंके ओर एक ही स्थान पर एकत्रित करके रखें ताकि नगर निगम के ओपन डंपर में साथ चलने वाले सफाई मित्रों को उस कचरें को उठाने में परेशानी नहीं हो।

डूब न जाए इंदौर, तुरंत शुरू करो तैयारी, महापौर ने दिए सख्त निर्देश, पिछली बार जैसे हालात न बनें

एक साथ 2 इंच बारिश से ठहर जाता है शहर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इस साल मानसून के आगमन से पहले ही देश के कई हिस्सों में भारी बारिश शुरू हो गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इंदौर में भी मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के मद्देनजर शहर में संभावित जलभराव और अव्यवस्था से निपटने के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम के अधिकारियों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। महापौर ने कहा है कि तुरंत पूरी योजना बना लें ताकि समय रहते जरूरी तैयारियों की समीक्षा की जा सके।

जब इंदौर शहर में एक साथ 2 इंच बारिश होती है, तो सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। इन हालात में वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़कों पर गाड़ियों का आना-जाना रुक जाता है और जो लोग अपनी गाड़ियों से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं, उनकी गाड़ियां अक्सर बीच रास्ते में बंद हो जाती हैं। देश की सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी में शामिल इंदौर में हर साल मानसून के दौरान ऐसी ही बदहाली देखने को मिलती है, जिससे नगर निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े हो जाते हैं।

इंदौर में भी पुणे जैसे हालात की आशंका

पिछले दो दिनों से पुणे और उसके आसपास के क्षेत्रों में मूसलधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इंदौर में भी इसी तरह की भारी बारिश की आशंका जताई गई है। ऐसे में नगर निगम प्रशासन को पहले से सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि पुणे जैसी स्थिति यहां उत्पन्न न हो। बारिश के कारण जनसुविधाओं पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग लगातार उठ रही है।

जलभराव की समीक्षा और निकासी पर होगा फोकस

महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा बनाई गई एक टीम नगर निगम की गई तैयारियों की समीक्षा करेगी। विशेष रूप से यह जाना जाएगा कि पिछले साल किन क्षेत्रों में जलभराव की समस्या अधिक थी और उन स्थानों पर इस वर्ष क्या कदम उठाए गए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कई वर्षों बाद यह पहला मौका है जब मानसून के आगमन से पहले ही ऐसी विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस पहल का उद्देश्य है कि समय रहते हालात को संभाला जा सके और शहरवासियों को राहत दी जा सके।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्य समयसीमा में करें पूर्ण : संभागायुक्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग संबंधी योजनाएं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे संभाग में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दें। सभी मत्स्य पालकों को जरूरी सुविधा उपलब्ध करायें। सभी पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ दिलायें और कोई भी हितग्राही शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्य समयसीमा में पूर्ण किये जाये। राज्य सरकार के निर्देश पर एएफडीपी पोर्टल में मछुआरे के पंजीकरण कार्य में सहयोग दें। नवीन तकनीक से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि किये जाने हेतु बायोफ्लाक की स्थापना की जाये। जिला स्तर पर आवंटित किये गये किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण किये जाने हेतु जिला लेवल पर अग्रणी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किये जाये तथा जिला स्तर पर निर्धारित समयसीमा में उसकी समीक्षा हो। संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि मत्स्य उत्पादन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समयसीमा में योजनाबद्ध तरीके से पूर्ण करें। कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में संभाग में जल संसाधन की उपलब्धता, मत्स्य उत्पादन लक्ष्य पर चर्चा हुई।

इंदौर की मातृशक्ति ने संभाली सड़कों की कमान, चौराहों पर दिखा नया नजारा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर. लोकमाता अहिल्याबाई त्रिशताब्दी समारोह समिति के तत्वावधान में इंदौर शहर की मातृशक्ति ने शाम को 5 से 7 बजे के बीच 34 चौराहों पर यातायात व्यवस्था को संभाला। नागरिक कर्तव्य बोध एवं यातायात जागरूकता अभियान के लिए किए गए इस आयोजन में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मातृशक्ति के द्वारा इंदौर के 34 मुख्य चौराहों पर यातायात प्रबंधन किया गया। वहीं ट्रैफिक पुलिस के द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी शामिल हुईं। शहर के विभिन्न चौराहों से गुजरी इस रैली ने ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर रखने और जनसहयोग की अपील की।

हजारों लोगों की हाथों की जंजीर ने दी जल संरक्षण की गूंज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज इंदौर शहर में एक भव्य मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया। रणजीत हनुमान मंदिर से लेकर महाराणा प्रताप प्रतिमा तक सैकड़ों की संख्या में नागरिकों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर जल संरक्षण और जल संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर 'जल गंगा रथ' को भी रवाना किया गया, जो शहर के विभिन्न घरों में जाकर लोगों को जल बचाने का महत्व समझाएगा।

जल संरक्षण में भी नंबर वन बनेगा इंदौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस अवसर पर कहा कि जैसे इंदौर ने स्वच्छता में देश में नंबर वन स्थान प्राप्त किया है, उसी तरह अब जल संरक्षण और जल संवर्धन में भी पहला स्थान प्राप्त करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की, ₹हर घर बारिश के पानी को रोकें, 'केच द रेन' को अपनाएं, भूमिगत जल स्तर को बढ़ाएं और जल बचाएं, तभी हम आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर सकेंगे।₹ उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उल्टी छतरी जल संवर्धन का प्रतीक है, जिससे पानी सहेजने का संदेश मिलता है, जबकि सामान्य छतरी केवल पानी से बचाव दशार्ती है।

निगम और जनभागीदारी से जल संरक्षण को मिल रहा बल

इस आयोजन में नगर निगम के एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, पार्षद कंचन गिदवानी, हरप्रीत लूथरा, रूपाली पेंढारकर, पराग कौशल, कमल वाघेला, योगेश गेंदर सहित निगम के कई अधिकारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। महापौर ने बताया कि इंदौर में पिछले तीन वर्षों से जल संरक्षण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनता के सहयोग से अब तक सवा लाख से अधिक रेन वॉटर हार्वेस्टर लगाए जा चुके हैं। साथ ही 156 कुओं, 28 बावड़ियों और 16 तालाबों का गहरीकरण किया गया है।

जल के लिए एकजुट हो समाज

महापौर ने बताया कि जल संरक्षण कार्यों को सफलता तभी मिलेगी जब इसमें आम जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे ₹जल के लिए एक साथ खड़े हों, जल संरक्षण का संकल्प लें और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं।₹ साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चैनलों की नियमित सफाई, जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार और वर्षा जल को संरक्षित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल बचाने के इस महाअभियान में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

खुद को जानें और अपनी खासियत पहचानें...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, हम सभी लोग कभी ना कभी तुलना के कुचक्र में फँस ही जाते हैं और खुद को दूसरों से कमतर आंकने लगते हैं। तुलना का यह कुचक्र हमें सोचने को मजबूर करता है कि हमारे पास वो चीजें नहीं है, जो दूसरों के पास है। यही सोच बीतते समय के साथ हमारे आत्मविश्वास को कमजोर करने लगती है। अगर दोस्तों, आप कभी भी खुद को इस स्थिति में फँसा हुआ पाएँ तो सबसे पहले खुद को याद दिलायें कि अरबों साल पहले इस ब्रह्मांड को बनाने के बाद, तमाम आकाशगंगाओं के निर्माण के बाद, करोड़ों साल पहले इस धरती पर जीवन देने के बाद भी ईश्वर को इस धरती पर कुछ कमी लग रही थी और इसलिए ही कुछ पच्चीस-पचास साल पहले उसने आपको इस धरती पर भेजा था।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

उक्त विचार आपको याद दिलायेगा कि इस दुनिया में किसी भी जीव का जन्म बेवजह नहीं हुआ है। ईश्वर ने हर जीव को इस धरती पर किसी विशेष उद्देश्य से भेजा है। अर्थात् हर किसी जीव की एक अनोखी भूमिका होती है; उसके जीवन का कम से कम एक उद्देश्य ऐसा होता है, जिसे केवल वही निभा सकता है। इसी बात को हम कैसोवैरी चिड़िया की कहानी से भी समझ सकते हैं। कई साल पहले की बात है, चिड़ियों का एक समूह कैसोवैरी चिड़िया को चिढ़ाते हुए बोला, तुम कैसी अजीब सी चिड़िया हो जो उड़ भी नहीं सकती? तुम्हारी इस अक्षमता के कारण हम सब चिड़ियाओं का नाम ख़राब होता है। इस तरह के तमाम तानों और मजाक को सुन-सुन कर कैसोवैरी चिड़िया को लगने लगा था कि वह बेकार है और उसका जीवन पूरी तरह व्यर्थ है। एक दिन इसी बात से परेशान होकर कैसोवैरी चिड़िया ने जंगल छोड़ने का निर्णय लिया और बहुत दुखी मन से वहाँ से चल दी। अभी वह कुछ ही कदम चली थी कि पीछे से आई एक पेड़ की आवाज ने उसकी आँखें खोल दी। पेड़ ने उस चिड़िया से कहा, कैसोवैरी तुम्हारी वजह से ही आज यह जंगल इतना हराभरा है। तुम्हारा अपनी मजबूत चोंच से फलों को तोड़कर खाना ही बीजों को पूरे जंगल में फैलाता है और जंगल को हराभरा बनाता है। अंत में वह पेड़ बड़े गंभीर स्वर में बोला, कैसोवैरी, बाकी चिड़िया भले ही पूरे आसमान की शोभा बढ़ाती है, लेकिन तुम अकेली चिड़िया हो जो इस धरती को जीवन देती है। पेड़ की बात सुन कैसोवैरी चिड़िया को पहली बार अपनी विशेषताओं का आभास हुआ और उसे लगा कि उसका इस धरती पर होना मायने रखता है। अब वह मान चुकी थी कि भगवान ने उसे जैसे बनाया है, वह उसी रूप में विशेष है। दोस्तों, हमारे जीवन में भी कई बार ऐसा ही होता है, जब हम दूसरों से की गई तुलनाओं की वजह से खुद को कमज़ोर आँकने लगते हैं। जैसे, किसी के अधिक पैसा कमाने पर, किसे के अधिक सुंदर होने पर, किसी की प्रसिद्धि को देखकर, हमें लगता है कि हमारे जीवन में कुछ कमी है, हम पीछे रह गए है। इस वक्त अक्सर हम भूल जाते हैं कि हमारी अपनी एक खासियत है और हम अपने आप में ही अनूठे और अनोखे हैं। दोस्तों, इंसान को सच्ची सफलता तब मिलती है जब वह खुद को सही से जान पाता है; पहचान पाता है। जब हम अपने उद्देश्य को समझकर; अपनी खूबियों को पहचानकर जीवन में आगे बढ़ते हैं, तब हम सफल होते हैं। इसलिए, अपनी तुलना दूसरों से मत करो और हमेशा याद रखो कि हर व्यक्ति अनमोल है। जरूरी नहीं है कि आप ताक़तवर या पैसेवाले हों, लेकिन यह संभव है कि आपकी एक मुस्कान किसी का दिन बना दे, आपका एक शब्द किसी को नई राह दिखा दे। याद रखिएगा, आप व्यर्थ नहीं हैं क्योंकि आप भी इस दुनिया की ज़रूरत हैं। आप इस धरती पर एक खास उद्देश्य के लिए आए हैं। अपने आप पर विश्वास रखिए, खुद को समझिए और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़िए। यही सोच आपके जीवन को सफल और संतुलित बनाएगी।

सीएसआर फंड से इंदौर के विकास को मिलेगी नई दिशा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के माध्यम से विकास की नई पहल प्रारंभ की जा रही है। इसी कड़ी में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के प्रमुख उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के सर्वांगीण विकास के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों को औद्योगिक संगठनों के समक्ष प्रस्तुत किया और उनसे सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। प्रस्तावों में जिले के शासकीय स्कूलों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, स्मार्ट क्लास की स्थापना, खेल सुविधाओं का विकास, आपदा प्रबंधन के लिए उपकरण और बचाव सामग्री, अधोसंरचना निर्माण, कल्याणकारी संस्थाओं के भवनों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण सुधार के प्रयास, स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार शामिल हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा, इंदौर में सीएसआर फंड के माध्यम से विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उद्योग जगत का सहयोग इस दिशा में निर्णायक सिद्ध हो सकता है। हम सभी औद्योगिक इकाइयों से अपील करते हैं कि वे सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत जिले के विकास में सहभागी बनें। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सत्यमेव जयते
मध्यप्रदेश शासन

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर

के 300वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

एवं

'राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान' अलंकरण

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी

दतिया एवं सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण एवं इंदौर मेट्रो का शुभारंभ

(गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर 03 तक)

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹483 करोड़ लागत के 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की प्रथम किस्त का अंतरण

— प्रधानमंत्री —

नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

— गरिमामयी उपस्थिति —

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11033/25

31 मई, 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | जम्बूरी मैदान, भोपाल

नारी सशक्तिकरण में अग्रणी मध्यप्रदेश

- सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ
- शासकीय सेवा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 35% तक किया
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 62 लाख ग्रामीण बहनें हुईं आत्मनिर्भर
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख बहनों को मिली धुएं से मुक्ति

बेहतर होतीं वायु सेवाएं

- ₹ 60 करोड़ की लागत से 124 एकड़ में दतिया एयरपोर्ट एवं ₹ 37 करोड़ की लागत से सतना एयरपोर्ट का निर्माण संपन्न
- हवाई सुविधा से धार्मिक पर्यटन के साथ औद्योगिक विस्तार को मिलेगा बढ़ावा
- यात्रियों को मां पीतांबरा पीठ, मां शारदा और चित्रकूट धाम तक की हवाई सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के गंतव्यों तक कनेक्टिविटी होगी बेहतर

इंदौर को मेट्रो रेल की सौगात

- ₹ 1520 करोड़ लागत की यलो लाइन मेट्रो 6 कि.मी. लंबे रूट पर चलेगी
- आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलेगी
- प्रति ट्रेन 900 से अधिक यात्री क्षमता के साथ लिफ्ट, एस्केलेटर, AI आधारित ट्रैकिंग एवं QR आधारित टिकटिंग प्रणाली से स्मार्ट होगा सफर

पंचायतों को स्थायी भवन

- प्रदेश भर में 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा के साथ प्रशासनिक कार्य करने, बैठकें आयोजित करने एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी

सीधा प्रसारण | DD News | Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

#AhilyaBaiHolkarAt300

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना शहर , स्कूल-कॉलेज और कोचिंग में कैसे बना नंबर वन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यभारत में इंदौर शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है। यहां स्कूल और कॉलेज छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं, और समग्र विकास के अवसर प्रदान करते हैं। चाहे आप अपने बच्चे के लिए एक उत्कृष्ट स्कूल की तलाश में हों या उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिष्ठित कॉलेज की, इंदौर में आपके लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। 31 मई को इंदौर अपना गौरव दिवस मनाएगा। इसी दिन मां अहिल्या का जन्मदिवस भी है। यह दिन इसलिए भी खास है क्योंकि यह मां अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती है।

इंदौर को शिक्षा के क्षेत्र में सबसे प्रमुख स्थान दिलाने के लिए होलकरों के समय ही योजना शुरू हो गई थी। होलकरों ने इंदौर में शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी जो धीरे धीरे आगे बढ़ती गई। भारत के औपनिवेशिक ब्रिटिश राज के दौरान ब्रिटिश भारतीय सेना के सर हेनरी डेली द्वारा डेली कॉलेज स्थापित किया गया। स्कूल की शुरूआत 1870 में रेजीडेंसी स्कूल के रूप में हुई थी। 1876 में इसका नाम बदलकर पूर्वी राजकुमार कॉलेज कर दिया गया और 1882 में इसे डेली कॉलेज के नाम से जाना जाने लगा। इसकी स्थापना तत्कालीन प्रेसीडेंसी के रेजिडेंट गवर्नर द्वारा 'मराठों', 'राजपूतों', 'मुसलमान' और 'बुंदेलों' के मध्य भारतीय रियासतों के राजघरानों, कुलीन और अभिजात वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने के लिए की गई थी। यह दुनिया के सबसे पुराने सह-शिक्षा बोर्डिंग स्कूलों में से एक है।

उच्च शिक्षा के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान-

इंदौर भारत का एकमात्र शहर है जहां आईआईटी और आईआईएम हैं। कुछ अन्य शैक्षणिक संस्थान, जो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, वे हैं एमजीएम, जीएसआईटीएस और होलकर साइंस कालेज। इस प्रकार इंदौर में शिक्षा विद्यार्थियों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करती है तथा उन्हें विश्व का सामना करने के लिए तैयार करती है, जहां प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

स्कूल भी हैं खास

निजी क्षेत्रों के स्कूलों के साथ यहां पर केंद्रीय स्कूल, सीएम राइस स्कूल और बाल विनय मंदिर जैसे प्रतिष्ठित सरकारी स्कूल भी हैं। इसके अलावा ट्रस्ट और सामाजिक संस्थाओं के द्वारा गुजराती, वैष्णव, खालसा आदि कई बड़े स्कूलों का संचालन किया जाता है। 200 से अधिक स्कूलों में दो लाख से अधिक स्कूली छात्र यहां पर पढ़ाई करते हैं।

कोचिंग का मुख्य केंद्र बना इंदौर

नीट, जेईई, सीएस, सीए, एमपीपीएससी, यूपीएससी की कोचिंग का भी इंदौर गढ़ बनता जा रहा है। देश के अधिकांश बड़े कोचिंग सेंटर भी इंदौर में अपनी शाखाएं शुरू कर चुके हैं।

शहर के प्रमुख निजी विश्वविद्यालय

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस, नरसी मुंजी, सेज विश्वविद्यालय, मेडिकेप्स, रेनेसां, प्रेस्टीज विश्वविद्यालय, श्री अरबिंदो विश्वविद्यालय, मालवांचल, ओरिएंटल, एलएनसीटी, डा. एपीजे अब्दूल कलाम।

भविष्य की उड़ान, तकनीक पर फोकस

शहर में सभी नए कोर्सेस संस्थानों में मौजूद है। इसमें स्पेस साइंस, इलेक्ट्रिक व्हीकल, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डेटा साइंस और कई आधुनिक कोर्सेस में आइआइटी और अन्य संस्थान डिग्री करा रहे हैं। साथ ही शहर में स्पेस साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डेटा साइंस जैसे आधुनिक कोर्सेस भी पढ़ाए जा रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी का गढ़ तो इंदौर बन ही चुका है।

विश्वविद्यालय ने 123 कॉलेज शुरू करवाए

इंदौर में कई कॉलेज हैं, जो ज्यादातर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। यह भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक है जिसे पहले इंदौर विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था। इंदौर में स्थित इस विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1964 में हुई थी और यह देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक बन गया। विश्वविद्यालय ने लगभग 123 कॉलेजों को संबद्धता प्रदान की है। इंदौर के ये कॉलेज और संस्थान उम्मीदवारों को विषयों के विविध विकल्प प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय 16 विभिन्न संकायों में पीजी, यूजी और डॉक्टरेट अध्ययन प्रदान करता है। विश्वविद्यालय को NAAC से 5 स्टार का दर्जा भी मिला है।

नागरिक अब घर बैठे शासकीय एवं निजी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से बुक करा सकेंगे अपॉइंटमेंट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर कार्यालय इंदौर में आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या के मार्गदर्शन में 'आयुष्मान भारत निरामयम हेल्पलाइन सेहत सेतु कार्यक्रम' के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ढटखअ) के अन्तर्गत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में इंदौर जिले के 78 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य हेल्पलाइन सेवा की कार्यप्रणाली और नागरिकों को घर बैठे डॉक्टर अपॉइंटमेंट सुविधा से अवगत कराना था। अब इंदौर, भोपाल, देवास और उज्जैन जिलों के नागरिक हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर कॉल कर विशेषज्ञ डॉक्टरों से शासकीय एवं निजी अस्पतालों में पूर्व निर्धारित अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। इससे अस्पताल में लंबी लाइन से बचाव होगा और समय की भी बचत होगी। अपॉइंटमेंट्स के साथ-साथ अब इस हेल्पलाइन के द्वारा आभा आई.डी. और इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड भी बनवा सकते हैं। यह योजना पूर्व में भोपाल और सीहोर जिलों में लागू थी, जिसे अब इंदौर जिले में भी शुरू किया गया है।

नेताओं ने सिखाया भाषण देना, अहिल्या जयंती पर हुई वर्तमान सरकार और सुशासन पर भाषण प्रतियोगिता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पुण्यश्लोका माता देवी अहिल्या के त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बाल विनय मंदिर में देवी अहिल्या का सुशासन एवं वर्तमान सरकार की समानता विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष मेहता ने की। निर्णायक की भूमिका में रहे राजीव छालानी, विनीता धर्म और संगीता भरुका। अतिथियों ने मां अहिल्या के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही भारतीय

जनता पार्टी के प्रखर वक्ता रहे स्वर्गीय उमेश शर्मा को भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बताया भाषण का महत्व

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया और उन्हें वक्तव्यकला को लेकर जानकारी दी। मिश्रा ने कहा कि जब हम भाषण दें तब हमें आत्मविश्वास से भरा होना चाहिए। साथ ही जिस विषय पर हम बोल रहे हैं उस विषय की अधिक से अधिक जानकारी हमें होनी चाहिए। इसके साथ ही हमारी बॉडी लैंग्वेज में भी आत्मविश्वास दिखना चाहिए।

यह रहे विजेता

भाषण प्रतियोगिता में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम पुरस्कार प्रशांत तीसरी, द्वितीय पुरस्कार पवित्र प्रजापति, तृतीय पुरस्कार मोहित सुनेरी तथा 7 प्रोत्साहन पुरस्कार शैलेंद्र चौहान, वंशिका डाबी, तोशी राजोरिया, भरत उदावत, लिना लोदवाल, धरम रायकवार एवं सुहानी महकाम को मिले। कार्यक्रम का संचालन नेहा शर्मा ने किया और आभार वृंदा गौड ने माना।

31 मई को छुट्टी के दिन भी खुलेंगे इंदौर के रजिस्ट्रार कार्यालय

इंदौर। आम नागरिकों को दस्तावेजों के पंजीयन में सुविधा देने और शासकीय राजस्व में वृद्धि की दृष्टि से शनिवार, 31 मई को अवकाश के दिन इन्दौर शहर के चारों उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे। वरिष्ठ जिला पंजीयक श्री दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि महानिरीक्षक पंजीयन के निदेर्शानुसार शनिवार, 31 मई को पंजीयन कार्यालय इन्दौर-1 (मोती तबेला), इन्दौर-2 (ढक्कनवाला कुंआ), इन्दौर-3 (विजय नगर), इन्दौर-4 (एम.ओ.जी लाईन) पंजीयन कार्य हेतु चालू रहेंगे। इस हेतु चारों उप पंजीयक कार्यालयों में एक-एक उप पंजीयक की ड्यूटी लगाई गई है।

चेन्नई से आ रही चांदनी रास्ते में लापता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में मायके लौट रही चांदनी नामक महिला के अचानक लापता हो जाने से परिवार में हड़कंप मच गया है। महिला ने अपनी अंतिम बातचीत 29 मई की सुबह बैतूल स्टेशन से की थी, जिसमें उसने बताया था कि वह दोपहर करीब 2 बजे इंदौर पहुंचेगी लेकिन उसके बाद से न तो वह घर पहुंची और न ही उसका मोबाइल नंबर चालू है। महिला के लापता होने की खबर मिलते ही परिवार ने तुरंत जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

परिवार के अनुसार चांदनी 28 मई को सुबह चेन्नई से ट्रेन में सवार हुई थी और 29 मई को बैतूल पहुंची थी। वहीं से उसने कॉल कर परिजनों को जानकारी दी थी कि वह इंदौर के लिए रवाना हो रही है और दोपहर

तक पहुंचेगी। दोपहर 3 बजे तक घर नहीं पहुंचने और मोबाइल बंद होने के कारण परिवार वालों को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने चांदनी के पति नितिन बडोले से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने भी चांदनी से बात न हो पाने की बात कही।

पति चेन्नई में करता है व्यवसाय

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चांदनी की शादी दो वर्ष पूर्व चेन्नई निवासी नितिन बडोले से हुई थी। नितिन वहां एक निजी कारखाना चलाते हैं। महिला कुछ समय के लिए मायके इंदौर लौट रही थी। रास्ते में अचानक उसका संपर्क टूट जाना और लापता हो जाना संदेह की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। परिजन लगातार पुलिस के संपर्क में हैं और महिला की सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं। जीआरपी पुलिस ने बैतूल रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज को जांच में लिया है ताकि महिला की अंतिम लोकेशन का पता लगाया जा सके। पुलिस विभिन्न संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है। अब तक महिला की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है, लेकिन पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले में प्रगति होगी और चांदनी का सुराग लगाया जाएगा।

तम्बाकू की लत मौत का कारण या जिन्दगी के १० वर्ष कम कर सकती है

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2025 के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी एक थीम दी गई है ह्लआकर्षण का पर्दाफाश-तम्बाकू और निकोटिन उत्पादों पर उद्योग की घर में नीतियों का खुलासा उजागर करना ह्व तम्बाकू इंडस्ट्री बच्चों को आकर्षित करने के लिए कई हथकंडे अपनाती है उन्हें भी मालूम है कि इस तंबाकू का सेवन करने वाले आधे लोग तंबाकू जनित बीमारियों से ही मरेंगे इसलिए उन्हें बच्चों को और अगली पीढ़ी पर भरोसा है जिससे वो कई सालों तक लाभ कमा सकें।

शहर के प्रसिद्ध सर्जन व पूर्व सिविल सर्जन डॉक्टर दिलीप कुमार आचार्य जो आईएमए के तम्बाकू नियंत्रण कमेटी के नेशनल चेयरमैन भी हैं ने बताया कि सिगरेट के धुएं में करीब 7000 टॉक्सिक कैमिकल्स होते हैं जो एक आदमी की ज़िंदगी के करीब दस वर्ष तक कम कर सकते हैं दुनिया में तंबाकू से होने वाली मौतों से हमेशा ही बचा जा सकता है हाँ तम्बाकू का सेवन शुरू ही नहीं करके। तम्बाकू नॉन कम्युनिकेबल बीमारियों अर्थात कैन्सर, हॉर्ट की बीमारियों, फेफड़ों की बीमारियां आदि का प्रमुक्ख कारण है वह इससे करीब १३ प्रकार के कैंसर हो सकते हैं। डॉ . आचार्य ने बताया कि विश्व में करीब ८६ लाख लोगो की मृत्यु प्रति वर्ष तंबाकू जनित बीमारियों से ही होती है जिनमें से करीब 13, लाख व्यक्ति हमारे आपने भारतीय होते हैं। भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और दूसरे हीटेड प्रोडक्ट्स को लॉ के द्वारा बैन किया गया है परंतु आज भी अखबार में न्यूज छपती रहती है की वह कई जगह मिल रही है इसलिए यह जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी को पहले से ही बताया जाए कि तंबाकू से क्या क्या नुकसान होता है जिससे वह इसको शुरू ही नहीं करें । तंबाकू मै निकोटिन जो है वह विशेषकर तंबाकू की लत का कारण है, अलग अलग प्रॉडक्ट में इसके 16,000- से ज्यादा फ़्लेवर आते हैं जो की युवा पीढ़ी का इसे शुरू करने और लंबे समय तक लेने का विशेष कारण भी रहता है और एक बार शुरू करने के बाद उसे छोड़ना नामुमकिन तो बिलकुल नहीं है परंतु कठिन जरूर है। डॉक्टर आचार्य ने कहा कि अब समय आ गया है कि सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 में परिवर्तन कर उसे और भी स्ट्रॉन्ग बनाया जाए व लोगो की जान की रक्षा के लिए उसे प्रभावी तरीके से लागू भी कराया जाए।

कलेक्टोरेट जनसुनवाई में मध्यस्थता समिति ने सुलझाए पारिवारिक विवाद, पुनः बसे कई बिखरे परिवार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टोरेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान मध्यस्थता समिति द्वारा विभिन्न पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। पति-पत्नी, ससुर, मां-बेटे और दो बहनों के बीच वर्षों से चल रहे मतभेदों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाते हुए कई परिवारों को पुनः एकजुट किया गया।

यह महत्वपूर्ण कार्य मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रमुख प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया एवं मास्टर ट्रेनर पूर्व प्रधान न्यायाधीश डॉ. मो. शमीम के मार्गदर्शन में गठित मध्यस्थता समिति

द्वारा संपादित किया गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह, एडीएम श्री रोशन राय, एवं मध्यस्थता प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री विजय मंडलोई के निर्देशन में यह प्रक्रिया सम्पन्न हुई। समन्वयक श्री दिलीप गर्ग (सर्वसमाज सामुदायिक मध्यस्थता सेवा समिति, महानगर) ने बताया कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा प्रशिक्षित मध्यस्थ झ हेमराज वाडिया, पुरुषोत्तम यादव, जहांगीर खान, नवीन चौधरी तथा आदित्य पंडित ने 2 से 3 सुनवाइयों में 5 जटिल पारिवारिक प्रकरणों का समाधान किया। दो बहनों के बीच मकान विवादः लगभग 2-3 वर्षों से चली आ रही संपत्ति संबंधी उलझन का समाधान किया गया, जिसमें बड़ी बहन ने अपनी छोटी बहन को मकान सौंपकर समझौता किया। पति-पत्नी और ससुर के बीच वैमनस्यः जनवरी माह से चली आ रही पारिवारिक खटास को सुलझाकर दोनों पक्षों को परिजनों की उपस्थिति में आपसी समझौते के साथ विदा किया गया।

सेना पर राजनीति नही, कह कर सेना को राजनीति मे क्यों घसीटा जा रहा है ?

राजनेतागण ! कृपया देश को बख्शिये ? बेशर्मी से बचिये ?

सिर्फ मैं ही राष्ट्र प्रेमी ? मेरा विरोधी...?

यह सिर्फ मेरे देश में ही संभव है की सिर्फ में ही राष्ट्र भक्त हूं और मेरा विरोधी राष्ट्र द्रोही। मतलब विरोध इस अंतिम सीमा तक। भक्तों की टोली में विद्रोहियों का क्या लेना देना? यह सिद्धांत इस देश पर आए किसी भी तरह के संकट के समय चाहे वह कोरोना है या पहलगाम आतंकी हत्या की वीभत्स घटना का हो, ज्यादा उभर कर सामने आ जाता है। जबकि ऐसे समय तो ऐसे सिद्धांत को दफना दिया जाना चाहिए। लेकिन चूंकि मैं एक भारतीय नागरिक हूं, तो ऐसे आए अवसरों पर मेरा यह कर्तव्य बन जाता है कि मैं स्वयं को सबसे बड़ा देश प्रेमी कहूं? और मेरा विरोधी नागरिक देशद्रोही होकर उसे पाकिस्तानी ठहराऊं? सिद्ध करने की बात मत कहियेगा? क्योंकि उसके लिए तो कुछ करना होता है। और यह कुछ...? शायद कुछ लोग ही बता पाएंगे?

राजीव खण्डेलवाल
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

बेशर्म राजनीति...

उक्त सिद्धांत का पूरा पालन करते हुए देश के राजनीतिक दल सेना पर किसी प्रकार की राजनीति न करने की बात और सलाह देकर पूरे जोश-खरोश से सेना पर भरपूर राजनीति करने में लग जाते हैं। बात सत्ता पक्ष की हो या विपक्ष, सेना के शौर्य की प्रशंसा करते, बधाई देते जाने-अनजाने में एक पक्ष सेना के शौर्य को लेकर श्रेय लेने का अथक प्रयास कर रहा है, तो दूसरा पक्ष शौर्य पर ही प्रश्न वाचक चिन्ह लगा कर स्वयं के शौर्य वीर होने का परिचय दे रहा है। तब भी दोनों पक्ष दम ठोक कर बेशर्मी से यह कहने में नहीं चूकते हैं कि सेना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम नहीं कर रहे हैं। यह तो आम मासूम जनता ही हैं, जो उस पर राजनीति कर रही है? जिसे रोकने के लिए उस जनता को पाठ पढ़ाया जाना आवश्यक है? और जनता? यह पाठ पढ़ाए जाने से इधर-उधर बेसुध होकर बचने का प्रयास कर रही है? सत्ता पक्ष इस बात को क्यों? नहीं समझ पा रहा है कि भारत में पाकिस्तान समान न तो सेना की राजनीतिक इच्छा व दबाव है और न ही कमजोर लोकतंत्र हैं। सैन्य ऑपरेशन, युद्ध समान स्थिति या युद्ध का निर्णय हो अथवा युद्ध विराम, संघर्ष विराम मध्यस्थता हस्तक्षेप समझौता (अंडरस्टैंडिंग) सहमति की बात हो, देश का राजनैतिक नेतृत्व ही निर्णय लेता है और सेना तद्नुसार उसे पूर्ण रूप से लागू करती है, करती चली आ रही है। पाकिस्तान समान हमारे यहां सेना निर्णय नहीं लेती हैं। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर के निर्णय की सफलता का श्रेय सेना के साथ राजनीतिक नेतृत्व को सामान्य प्राकृतिक रूप से जाता ही है, जैसा कि बांग्ला देश निर्माण के समय भी हुआ था। तब फिर वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व द्वारा श्रेय लेने के अतिरेक प्रयास (घर-घर सिंदूर भेजना की योजना) के चक्कर में विरोधियों को आलोचना का एक मुद्दा देकर बमुश्किल बनी राष्ट्रीय सहमति, एकता पर बादलों से बिजली गिरने की स्थिति जैसे क्यों पैदा की जा रही है?

सर्वदलीय डेलीगेशन विदेशों में भेजने की भावना। देश में तार-तार...

इस स्तरहीन श्रेय की राजनीति व उसे रोकने की दौड़ में दुर्भाग्य की बात यह है की हम अपने ही देश के माननीय प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और विपक्ष के नेता तक को देशद्रोही, गद्दार, जासूस, मीर जाफर, जयचंद पाकिस्तानी एजेंट कैमरा मैन, और न जाने क्या क्या शब्दों की उपाधियां से गौरांवित ऐसे समय में कर रहे हैं, जब भारत सरकार सर्वदलीय डेलिगेशन को विश्व के कई देशों में ऑपरेशन सिंदूर के बाबत देश के रुख को स्पष्ट करने व सहमत कराने के लिए भेज रही है। दुर्भाग्य यह है कि देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूर्व में हुआ एकमत पक्ष-विपक्ष अब जब एकसाथ विदेश जा रहा है, तब वह देश में ही एकमत नहीं है। पोस्टर बाय बनने की बजाए पोस्टर वार द्वारा एक दूसरे को नीचा दिखाने का प्रयास क्यों किया जा रहा है? जब विदेशों में विपक्षी खासकर कांग्रेसी

सांसद/प्रतिनिधीगण भारत सरकार की नीति को विपरीत परिस्थितियों में भी पुरजोर तरीके से रख रहे हैं, तब देश के भीतर भाजपा, कांग्रेस को पाकिस्तानी भाषा में बोलने की सीमा तक क्यों लताड़ रही है? क्या डेलिगेशन के वापस आने तक इस जूतमपार को रोका नहीं जा सकता है? क्या यह भारत सरकार की साख (क्रेडेंशियल) पर विदेशों में प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं लगाएगा? क्या इससे भारत सरकार के इस कदम की उपयोगिता कमोत्तर नहीं होगी?

संघर्ष विराम का सच सार्वजनिक होना चाहिए?

पहलगाम आतंकी घटना को एक महीने से ज्यादा समय हो गया हैं। 25 शहीद हुए भारतीयों का बदला (बदला नहीं न्याय की बात तो बाद में की गई) लेने के लिए जिम्मेदार 4-5 आर्तकियों को मूल रूप से खुदा के पास जहन्नुम में पहुंचने के साथ पीओके एवं पाकिस्तानी भूमि में स्थित आतंकी पैड्स को जमींदोज करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, ताकि आतंकी घटनाएं हमेशा के लिए समाप्त हो सके। विदेश मंत्री के दावानुसार उन आतंकियों की पहचान होने के बावजूद दुर्भाग्यवश वे अभी तक पकड़े नहीं गये हैं। तथापि ऑपरेशन सिंदूर बदस्तूर जारी है। ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने के दौरान पाकिस्तान के हकलाते, घबराये हुए डीएमआरओं के अनुरोध पर भारत गोला-बारूद, मिसाइलों की बौछार रोक कर संघर्ष विराम पर अपनी सहमति देता है। बावजूद इसके भारत सरकार की नजर में ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं हुआ है। इसका अर्थ यह निकलता है की 3 दिन भारत ने ऑपरेशन सिंदूर बुलेट ट्रेन के रूप में चलाई और तत्पश्चात संघर्ष विराम होने पर उसे पैसेंजर ट्रेन में बदल दिया। इसलिए 2 घंटे बाद ही संघर्ष विराम का उल्लंघन होने पर उसका माकूल जवाब देकर पाकिस्तान को फिर चुप कराया गया। बावजूद इसके अभी भी पहलगाम हमले के साजिशकर्ता सैफुल्लाह कसूरी सहित अनेक आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद सहित पाकिस्तान में खुले आम भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। नया भारत नई सैन्य नीति के तहत उनके आतंकी हमले की बाट जोट रहा है, ताकि हम प्रतिक्रिया में (क्रिया में नहीं) हमला कर सके। ऑपरेशन सिंदूर चालू आहे यह कब अहसास होगा? जमीन पर उतरेगा? महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि दिनांक 27 मई को 3.35 बजे पाकिस्तान के अनुरोध पर सरकार ने कुछ न करने अथवा कुछ करने का कदम तो उठाया होगा? इसे स्पष्ट न करने के कारण देश असमंजस में है। वह इसलिए भी कि आतंक को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान को हमेशा के लिए सबक सिखाने की बह रही देश में आंधी पर अचानक हुआ संघर्ष विराम कुठाराघात समान हुआ। खासकर इसलिए भी जब पूरी तरह से स्थिति हमारे अनुकूल व हम लाभ की स्थिति में होने के बावजूद, पाकिस्तान के गिडगिड़ाने, लडखड़ाने पर भी हमने मसूद अजहर, हाफिज सईद, या पहलगाम के जिम्मेदार चार-पांच आतंकियों की मांग नही की, पीओके की बात तो छोड़िये? यदि की गई हो, तो देश के सामने आना चाहिए और नहीं, तो उसका जवाब? क्योंकि किन शर्तों? (जैसा विदेश विभाग ने कहा) पर संघर्ष विराम हुआ वे देश के सामने नहीं आयी हैं।

मोदी के कथन पर विश्वास करना चाहिये।

अमेरिका की अदालत में ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत (यूएससीआईटी) में अपने लिबरेशन डे टैरिफ आदेश के बचाव में एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें दावा किया गया कि टैरिफ की धमकी ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई 2025 को न्यूयॉर्क की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अदालत में अपने नागरिकों को संबोधित करने के उद्देश्य से दायर शपथ पत्र में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 2 अप्रैल 2025 को लिबरेशन डे टैरिफ की घोषणा के बाद भारत और पाकिस्तान के साथ व्यापारिक प्रस्तावों के जरिए मध्यस्थता की, जिसके परिणामस्वरूप 10 मई 2025 को दोनों देशों ने 3 दिनों की सैन्य कार्रवाइयों के बाद युद्ध विराम पर सहमति जताई। यद्यपि कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में शपथ पत्र के दावे को अमान्य करते हुए ट्रंप के उक्त टैरिफ आदेश को आईईईपीए का दुरुपयोग मानते हुए उस पर ही रोक लगा दी। उक्त शपथ पत्र के बाद और अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कम से कम आठ बार मध्यस्थता का दावा करने के बाद 29 मई को और पहले 22 मई को भी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से यह कहा था कि अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत में टैरिफ का कोई मुद्दा नहीं था। तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या टैरिफ संबंधी कोई दबाव शामिल नहीं था। सीजफायर भारत की शर्तों पर हुआ है। हमें हमारे प्रधानमंत्री पर पूरा विश्वास है। परन्तु तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते समय भारतीय विदेश मंत्रालय या प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से अमेरिका या ट्रंप का नाम क्यों नहीं ले रहे हैं, यह समझ से परे हैं? खासकर उस स्थिति में जब अमेरिका के दावे से हमारी संप्रभुता और सार्वभौमिकता को चुनौती की ध्वनि/धमकी निकलती है। शपथ पत्र का जवाब शपथ पत्र नहीं, तो कम से कम ट्रंप का नाम लेकर स्पष्ट इनकार तो होना ही चाहिए? न्यायालय में जब शपथ पर बयान दिया जाता है, तो उसका प्रतिरोध (काउंटर) भी शपथ पूर्वक बयान से ही संभव होता है। ट्रंप के आरोप का ट्रंप शैली की बजाए विदेश मंत्रालय द्वारा कूटनीतिक शैली के जवाब का का एक ही अर्थ निकलता है कि हम ट्रंप को किसी भी रूप में ना-राज न कर राज करना चाहते हैं? क्या यह स्थिति विश्व गुरु बनने जा रहे भारत के लिए ठीक है?

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

किसानों को 362 के एवज में हुआ 317 करोड़ का भुगतान अटका

कटनी ■

समर्थन मूल्य पर सरकार को गेहूं का विक्रय करने वाले किसान भुगतान के लिए परेशान है। खरीदी बंद होने के 17 दिन बाद भी जिले के करीब ढाई हजार किसानों को 45 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। वैवाहिक सीजन में शादी-समारोह सहित अन्य कार्यों में राशि की जरूरत होने पर भुगतान न होने से किसान परेशान है। भुगतान के लिए किसान सीएम हेल्पलाइन सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिकायत कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 44 हजार 307 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने के लिए पंजीयन कराया था। इसमें विक्रय के लिए सिर्फ 21161 किसान पहुंचे। केंद्रों में इन किसानों से 1 लाख 39 हजार 381 मेट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। 5 मई को खरीदी बंद होने के बाद सरकार द्वारा अबतक सभी किसानों को भुगतान नहीं किया जा सका है। किसानों को 362.39 करोड़ का भुगतान किया जाना था

लेकिन अबतक सिर्फ 317.09 करोड़ का भुगतान हुआ। जबकि 45.30 करोड़ का भुगतान होना शेष है। बताया गया है कि जिले के 2500 से ज्यादा किसान भुगतान से वंचित हैं।

परिवहन में लेटलतीफी बनी वजह

जानकारी के अनुसार खरीदी केंद्रों से वेयरहाउस तक गेहूं के परिवहन में विलंब होने के कारण किसानों का भुगतान अटका हुआ है। वेयरहाउसों में गेहूं जमा न होने से स्वीकृती पत्र नहीं बनाए गए और किसानों को पैसा नहीं मिला। हालांकि अफसरों का दावा है कि 2500 से अधिक स्वीकृती पत्रक बनाए गए है, जिसके माध्यम से दो-तीन दिनों में भुगतान हो जाएगा। खनिज नियमों की अनदेखीः रिफैक्ट्रीज में बगैर अनुज्ञप्ति के खनिज भंडारण, सामने गंभीर मनमानी

गेहूं उपार्जन में बहोरीबंद रहा अव्वल

गेहूं खरीदी के मामले में बहोरीबंद तहसील अग्रणी रहा। यहां इस वर्ष 5115 कृषकों से 34 हजार 523 मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित किया गया। गेहूं उपार्जन के मामले में ढीमरखेड़ा तहसील दूसरे स्थान पर रहा। जहां 4767 किसानों से 28 हजार 787 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। वहीं तीसरे स्थान पर जिले की विजयराघवगढ़ तहसील रही। जहां 2884 किसानों ने 20 हजार 699 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की। इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील गेहूं खरीदी के मामले में जिले में चौथे स्थान पर रहा। जहां 2002 किसानों ने 15 हजार 14 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की है। इसके अलावा रीठी तहसील जिले में पांचवे स्थान पर रहा। जहां के 1819 किसानों ने 11 हजार 148 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की वहीं कटनी ग्रामीण एवं कटनी नगर संयुक्त रूप से छठवें स्थान पर रहा। जहां 1500 किसानों ने 10 हजार 792 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की। जबकि बड़वारा तहसील सातवें पायदान पर रही। जहां इस वर्ष 1520 किसानों ने 9 हजार 239 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की। बरही तहसील के 1554 किसानों ने 9 हजार 178 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री किया है। इस प्रकार बरही गेहूं उपार्जन के मामले में जिले में अंतिम पायदान पर रहा।

इनका कहना है

सज्जन सिंह परिहार, जिला आपूर्ति अधिकारी का कहना है कि परिवहन में विलंब होने की वजह से स्वीकृती पत्रक हाल ही में बनाए गए हैं। 2500 से अधिक किसानों को दो-तीन दिन में भुगतान कर दिया जाएगा। इसके अलावा करीब 500 क्विंटल शोर्टज भी है, जिसकी राशि समितियों से ली जाएगी।

तबादलों पर सरकार का बड़ा फैसला, समय सीमा बढ़ाई, पेंडिंग पड़े हैं डेढ़ लाख आवेदन

भोपाल ■

एमपी में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के तबादलों पर सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी समय सीमा बढ़ा दी है। इस संबंध में राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग यानि जीएडी ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। राज्य में तबादलों के लिए 30 मई की तिथि निर्धारित की गई थी जिसे अब बढ़ा दिया गया है। बताया जा रहा है कि पेंडिंग पड़े करीब डेढ़ लाख आवेदनों को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विवाद, पीएम नरेंद्र मोदी के भोपाल में प्रस्तावित कार्यक्रम सहित विभिन्न कारणों से तबादलों की प्रक्रिया प्रभावित हुई। अधिकांश विभागों में स्थानांतरण प्रक्रिया रुकी पड़ी है, केवल कुछेक विभागों में ट्रांसफर किए जा सके हैं। इधर तबादलों के लिए विभागों में आवेदनों का ढेर लगा है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार को समय सीमा आगे बढ़ानी पड़ी है।

ट्रांसफर की समय सीमा 10 जून तक बढ़ा दी

सीएम मोहन यादव ने तबादलों की समय सीमा में वृद्धि करने के संकेत तो पहले ही दे दिए थे लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग यानि जीएडी को इस संबंध में कोई निर्देश नहीं मिले थे। जब सीएम ने निर्देश दिए तब जीएडी ने ट्रांसफर की समय सीमा 10 जून तक बढ़ा दी है। तबादलों की समय सीमा 30 मई से 11 दिन बढ़ाई गई है।

60 हजार कर्मचारियों के हो सकते हैं तबादले

प्रदेश में इस बार दस प्रतिशत कर्मचारियों, अधिकारियों के स्थानांतरण किए जा सकते हैं। इस प्रकार राज्य के कुल 6 लाख नियमित अधिकारियों, कर्मचारियों में से 60 हजार के ट्रांसफर किए जा सकते हैं। विभिन्न विभागों में अब तक इसके लिए डेढ़ लाख से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं।

शादी में गया युवक दोस्तों के सामने स्वीमिंग पूल में डूबा

भोपाल ■

राजधानी भोपाल के गुनगा थाना क्षेत्र के वेकेशन विला फार्म हाउस में पार्टी करने के दौरान एक युवक स्वीमिंग पूल में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। युवक शादी समारोह में दोस्तों के साथ शामिल होने गया था। दोस्त उसे बचाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन बचा नहीं पाए। गुनगा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय अयान अहमद कबीटपुरा का रहने वाला था। वह गुरुवार को दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने हरार्खेड़ा स्थित वेकेशन विला फार्म हाउस में गया था। दिन भर शादी समारोह में लगे रहने के बाद वह दोस्तों के साथ स्वीमिंग पूल में नहाने के लिए चला गया। नहाते समय गहरे पाने में जाने के बाद वह ऊपर नहीं आया। जब अयान पूल में डूबा को वहां दर्जन भर लोग मौजूद थे। अचानक एक युवक ने देखा कि अयान डूब रहा है। उसके बाद लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद उसे पानी से निकाला और उल्टा लिटाकर पेट से पानी निकालने का प्रयास भी किया गया। इसके बाद उसे होश आया तो लोगों में आश जगी और उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। अयान के बहनोई शाहजेब ने पुलिस को बताया कि स्लाइड से तेजी से पानी में छलांग लगाने के बाद वह बाहर ही नहीं आया। कुछ देर तक तो किसी को कुछ समझ में नहीं आया।

श्रद्धा और पर्यावरण संरक्षण का संगम, ओंकारेश्वर में बेलपत्र और फूलों से बनेगी अगरबत्ती-धूपबत्ती

ओंकारेश्वर ■

ओंकारेश्वर धाम में अब पूजन के बाद अर्पित बेलपत्र और फूलों से अगरबत्ती-धूपबत्ती बनाई जाएगी। यह पहल महिलाओं को रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान सुनिश्चित करती है। स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। यह एक संतुलित, संवेदनशील और आदर्श प्रशासनिक मॉडल है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री ओंकारेश्वर धाम अब केवल आध्यात्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वावलंबन और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक मॉडल भी बनता जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन और ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त प्रयासों से अब भगवान शिव को अर्पित किए जाने वाले बेलपत्र

और फूलों से अगरबत्ती व धूपबत्ती का निर्माण किया जाएगा। खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता के अनुसार, प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पूजन के लिए ओंकारेश्वर पहुंचते हैं और बड़ी मात्रा में बेलपत्र व फूल अर्पित करते हैं। पहले इन पूजन सामग्रियों का सीमित उपयोग कर जैविक खाद बनाई जाती थी, लेकिन संग्रहण की कठिनाइयों के चलते अधिकतर सामग्री व्यर्थ जा रही थी, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती थीं।

स्थानीय महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का अवसर

अब मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन द्वारा ओंकार प्रसाद परिसर में एक विशेष इकाई स्थापित की गई है। यहां ओंकारेश्वर शिवशक्ति महिला सहायता समूह की महिलाएं इन सामग्रियों से अगरबत्ती और धूपबत्ती का निर्माण करेंगी। यह पहल महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराएगी, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

स्थानीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

निर्मित उत्पाद ओंकारेश्वर नगर के किराना और जनरल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। इस योजना से पूजन सामग्री का पुनः उपयोग सुनिश्चित होगा, जिससे कचरा प्रबंधन सुधरेगा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने इसे श्रद्धा, स्वावलंबन और सतत विकास का एकीकृत मॉडल बताते हुए कहा कि यह पहल देश के अन्य धार्मिक स्थलों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हो सकती है।

एमपी के 14 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट, आईएमडी ने दी चेतावनी

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में इन दिनों मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा हैं। नौतपा के छठवें दिन भी कई जिलों बारिश-आंधी का दौर जारी रहा। राजधानी भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे। वहीं, खजुराहो, गुना, रीवा, रायसेन और अशोकनगर में बारिश हुई। जिससे चलते कई इलाके जलमग्न हो गए।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट- मौसम विभाग की रिपोर्ट की मानें तो राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, शाजापुर, आगर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, पांढुर्णा जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। इसके ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

वहीं, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर जिलों में आंधी के साथ बारिश का अनुमान जताया गया है। वैसे तो अमूमन देखा जाता है कि नौतपा ने भीषण गर्मी का असर देखने को मिलता है। मगर की जिलों में 48 डिग्री के पार पारा पहुंच जाता है, लेकिन इस बार का मौसम का मिजाज कुछ अलग ही देखने को मिल रहा है। गुरुवार को अचानक मौसम खराब होने के कारण सीएम डॉ मोहन यादव का छतरपुर दौरा कैंसिल हो गया था।

25 हजार का इनामी गौ तस्कर फैजान मुठभेड़ में गिरफ्तार

सतना ■

मध्यप्रदेश के सतना के नजीराबाद के रहने वाले फैजान खान को यूपी की बांदा पुलिस ने एक मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। फैजान गौ तस्कर है और उस पर एमपी के साथ ही यूपी के थानों में भी मामले दर्ज हैं। गौ तस्कर फैजान पर 25 हजार रूपए का ईनाम भी है। मुठभेड़ में फैजान के पैर में गोली लगी है और यूपी की बांदा पुलिस ने उसके पास से एक कट्टा व दो कारतूस भी बरामद किए हैं। हालांकि फैजान की गिरफ्तारी पर उसके परिजन ने सवाल उठाए हैं और यूपी पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं।

बांदा पुलिस के अनुसार गौ तस्कर फैजान के संबंध में मुखबिरों

से सूचना मिली थी। सीओ सिटी राजवीर सिंह के नेतृत्व में मटौंध थाना व एसओजी की टीम ने गौरिहार-छतरपुर रोड पर आलमखोड़ मोड़ के पास वाहनों की चेकिंग लगाई। उसी दौरान एक कार में 25 हजार का इनामी फैजान खान एमपी की ओर से मटौंध की ओर आते दिखा। चेकिंग देखकर उसने कार मोड़ कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा किया तो फैजान ने पुलिस पर फायर किया। इसके बाद पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की। गोली फैजान के पैर में लगी और वह आगे भाग नहीं सका। उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर फैजान के परिजनों ने अलग ही कहानी बताते हुए यूपी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि फैजान अपने डेढ़ महीने के बेबी के इलाज के लिए पत्नी के साथ जबलपुर मेडिकल कॉलेज में कई दिनों से है। बुधवार को डेढ़ बजे वह अस्पताल से खाना लेने के लिए पत्नी को बताकर निकला। इसके बाद उसका पता नहीं चला। परेशान पत्नी ने परिजनों से संपर्क किया।

गोवा के मैरियेट होटल में एमपी के युवक की बेरहमी से हत्या..

सतना ■

मध्यप्रदेश के सतना जिले के सोहावल के रहने वाले 33 साल के धीरू शर्मा की गोवा के मैरियट होटल में हत्या कर दी गई। धीरू होटल के कैसीनो कार्निवल में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करता था और वहीं पर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। गोवा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जो कि हैदराबाद का रहने वाला है और उसका नाम अब्दुल अल्ताफ है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी एयरपोर्ट की ओर भाग रहा था। घटना मंगलवार देर रात 3:10 बजे की बताई जा रही है। हैदराबाद निवासी अब्दुल अल्ताफ (25) नशे में धुत होकर

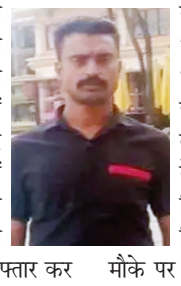

होटल मैरियट स्थित कैसीनो की सीढ़ियों पर हंगामा कर रहा था। धीरू अपने साथी सुरक्षा गार्ड सत्यम गांवकर के साथ उसे समझाने नीचे उतर रहे थे। उसी दौरान नशे में धुत अब्दुल ने सीढ़ियों से ही लोहे के क्लैंप लगे लकड़ी के पट्टे से धीरू के सिर पर हमला कर दिया जिससे धीरू का सिर फट गया और वह मौके पर ही गिर पड़ा। इसके बाद अब्दुल ने सत्यम पर भी हमला किया और फिर वहां से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल धीरू और सत्यम को तुरंत गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने धीरू को मृत घोषित कर दिया। सत्यम का इलाज फिलहाल जारी है।

एमपी को एयरपोर्ट की बड़ी सौगात, 1.81 किमी लंबे रनवे से उड़ान भरेंगे विमान

भोपाल ■

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई यानि शनिवार को भोपाल आएंगे। वे लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। राजधानी के जंबूरी मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रधानमंत्री यहां से ही सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण भी करेंगे। दतिया के नवनिर्मित एयरपोर्ट से पीतांबरा पीठ आने जाने वाले श्र?द्धालुओं के लिए आवागमन में खासी सुविधा हो जाएगी। इसका रनवे खासा लंबा है। एयरपोर्ट बनने से दतिया के विकास को भी नई उड़ान मिलेगी।

विमानन अधिकारियों के अनुसार शुरूआत में यहां से 19 सीटर विमान उड़ान भरेंगे। फ्लाई बिग एयरलाइन की फ्लाइट्स संचालित होंगी जोकि हफ्ते में चार दिन चलेंगी। दतिया एयरपोर्ट 124 एकड़ में फैला है, जिसमें काफी लंबा रनवे एरिया है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार एयरपोर्ट का रनवे 1.81 किमी लंबा है। यहां दो चेक-इन काउंटर बनाए गए हैं और एयरपोर्ट का बाहरी क्षेत्र भी विकसित किया गया है। एयरपोर्ट परिसर में 50 कारों की पार्किंग की सुविधा है। यह एयरपोर्ट 60 करोड रुपए की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भोपाल से सतना एयरपोर्ट का भी वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। ?37 करोड़ की लागत से यह एयरपोर्ट बनाया गया है। सतना की पुरानी हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण कर इसे आधुनिक एयरपोर्ट का रूप दिया गया। एयरपोर्ट का निर्माण कार्य रिकॉर्ड समय में पूर्ण हुआ। डीजीसीए ने 20 दिसंबर 2024 को ही एयरपोर्ट को संचालन के लिए लाइसेंस जारी कर दिया था। सतना एयरपोर्ट पर 1200 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जिसमें 19 सीटर विमान आसानी से उतर सकेंगे। यहां एक समय में दो विमानों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। एयरपोर्ट पर 750 वर्गमीटर क्षेत्र में हवाई टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टावर, वीआईपी लाउज, विशेष जरूरतमंदों के लिए सुविधाएं और सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे किए गए हैं।

तंबाकू के जहर को जानते, पर गंभीरता नहीं समझते

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

देश में आसानी से मिलनेवाला जहर है तंबाकू, जो धीरे-धीरे शरीर को खोखला करके घातक बिमारियों से जकड़कर असमय मारता है। समाज, देश उच्च शिक्षित और आधुनिक हुआ है, लेकिन लोगों के शौक भी बढ़ते ही जा रहे हैं, तंबाकू के नए-नए फ्लेवर मार्केट में उपलब्ध हो रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक बडे पैमाने में तंबाकू का सेवन करते हैं। आमतौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले तंबाकू उत्पादों में बीड़ी, सिगरेट और हुक्का शामिल हैं। भारत में सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले धूम्ररहित तंबाकू उत्पादों में तंबाकू के साथ-साथ खैनी, गुटखा और सुपारी शामिल हैं। प्रतिदिन, तंबाकू और निकोटीन उद्योग नई पीढ़ी को आकर्षित करने और मौजूदा सेवनकताओं को बनाए रखने के लिए तैयार किए गए उत्पादों और भ्रामक रणनीतियों का उपयोग बड़े ही शातिर ढंग से करते हैं।

हर साल तंबाकू के जहर के प्रति जागरूकता निर्माण करने हेतु 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम है ₹अपील को उजागर करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग नीतियों को उजागर करना।₹ विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट अनुसार, अनुमान है कि विश्व भर में 13-15 वर्ष की आयु के 37 मिलियन बच्चे तंबाकू का सेवन करते हैं। कई देशों में, वयस्कों की तुलना में युवाओं में ई-सिगरेट का प्रयोग अधिक है। ई-सिगरेट, निकोटीन पाउच और गर्म तंबाकू उत्पादों को बढ़ावा देने वाली विपणन सामग्रियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर 3.4 बिलियन से अधिक बार देखा गया है। कई निकोटीन और तंबाकू उत्पादों में फ्लेवर पाए जाते है, इसमें लगभग 16,000 अद्वितीय फ्लेवर है, अक्सर फ्लेवर को निकोटीन और तंबाकू उत्पादों का उपयोग शुरू करने का मुख्य कारण बताया जाता है। यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में 83 ऑनलाइन स्टोर अवैध रूप से ई-सिगरेट बेच रहे है, इनमें से 61.4 फीसदी गूगल सर्च के माध्यम से तथा उसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से खोजे गए। यह ध्यान देने योग्य है कि लगभग आधे भारतीय ऑनलाइन स्टोर 2019 में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद दिखाई दिए। अमेरिकन लंग एसोसिएशन के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल 4,90,000 से अधिक लोग तंबाकू के उपयोग और धूम्रपान के संपर्क में आने से मरते है। सिगरेट के धुएं में 7,000 से अधिक रसायन होते हैं, जिनमें से कम से कम 69 कैंसर का कारण बनते हैं। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर से होने वाली लगभग 90 प्रतिशत मौतों और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से होने वाली लगभग 80 प्रतिशत मौतों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। वर्तमान में धूम्रपान करने वालों में, धूम्रपान से संबंधित 73 प्रतिशत बीमारियाँ दीर्घकालिक फेफड़ों की बीमारियाँ हैं। धूम्रपान शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है, यह कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक और कई अन्य कैंसर और बीमारियों का कारण भी है। तंबाकू एटलस के अनुसार, भारत में धूम्रपान की आर्थिक लागत 1,971,145,052,480 भारतीय रुपए है, इसमें स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित प्रत्यक्ष लागतें तथा बीमारी और असामयिक मृत्यु के कारण उत्पादकता

की हानि से संबंधित अप्रत्यक्ष लागतें भी शामिल हैं। भारत में वयस्क धूम्रपान करने वालों की संख्या 7,39,26,241 है। भारत में 8.9 प्रतिशत मौतें तंबाकू के उपयोग के कारण होती हैं। अनुमान है कि 2023 में भारत में 107,915,900,000 सिगरेट का उत्पादन हुआ। 2022 में, दुनिया की छह सबसे बड़ी तंबाकू कंपनियों का संयुक्त राजस्व 362 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। 2022 में, भारत ने 425,296 हेक्टेयर गुणवत्ता वाली कृषि भूमि पर 772,152 टन तंबाकू का उत्पादन किया, जिसका उपयोग पोषक अनाज उगाने के लिए किया जा सकता था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मुख्य तथ्यों अनुसार, तंबाकू का सेवन करने वाले आधे से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। तंबाकू से हर साल 8 मिलियन से ज्यादा लोगों की मौत होती है, जिसमें अनुमानित 1.3 मिलियन गैर-धूम्रपान करने वाले लोग शामिल हैं, जो सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में आते हैं। दुनिया के 1.3 बिलियन तंबाकू उपयोगकताओं में से लगभग 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। 2020 में, दुनिया की 22.3 फीसदी आबादी ने तंबाकू का सेवन किया। तंबाकू उत्पादों का अवैध व्यापार दुनिया भर में स्वास्थ्य, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न करता है। यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व भर में उपभोग की जाने वाली प्रत्येक 10 सिगरेटों और तंबाकू उत्पादों में से 1 अवैध है। डब्ल्यूएचओ अनुसार, भारत में हर दिन लगभग 3600 लोग तंबाकू के सेवन के कारण मरते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के स्वास्थ्य एवं वृद्ध देखभाल विभाग के अनुसार, धूम्रपान से जीवन प्रत्याशा औसतन 10 वर्ष कम हो सकती है। तंबाकू बोर्ड (एक स्वायत्त निकाय), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त जानकारी अनुसार, भारत में तंबाकू एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसल है, यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 45.7 मिलियन लोगों को रोजगार देता है और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय खजाने में 12,005.89 करोड़ रुपये का विदेशी मुद्रा योगदान देता है। भारत विश्व में तंबाकू उत्पादन में अग्रणी स्थान रखता है। 2022 के दौरान, भारत दुनिया में अनिर्मित तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक (एफएओ स्टेट डेटा, 2022), दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक (मात्रा के हिसाब से) और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक (मूल्य के हिसाब से) होगा (आईटीसी ट्रेडमैप डेटा 2022)। भारत में फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की विभिन्न शैलियाँ उत्पादित की जाती हैं, जो अपनी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिन्न होती हैं। इस तंबाकू बोर्ड का मुख्य उद्देश्य :- उत्पादन को विनियमित करना, विदेशों में विपणन को बढ़ावा देना, तथा मांग और आपूर्ति में असंतुलन की बार-बार होने वाली घटनाओं को नियंत्रित करना, जो बाजार की समस्याओं का कारण बनते हैं। तंबाकू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक अनुसंधान को प्रायोजित करना, सहायता करना, समन्वय करना या प्रोत्साहित करना हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त जानकारी अनुसार, भारत सरकार ने 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अर्थात एनटीसीपी शुरू किया, जिसका उद्देश्य है कि, तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना, तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को कम करना, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के तहत प्रावधानों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना, लोगों को तंबाकू का सेवन छोड़ने में मदद करना और तंबाकू नियंत्रण पर डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन द्वारा समर्थित तंबाकू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नीतियों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना है। एनटीसीपी को तीन स्तरीय संरचना केंद्रीय स्तर, राज्य स्तर, और जिला स्तर के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। जिला स्तर पर तंबाकू उन्मूलन सेवाएं स्थापित करने का भी प्रावधान है। वर्तमान में यह कार्यक्रम देश भर के 600 से अधिक जिलों को कवर करते हुए सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत परिकल्पित विभिन्न पहलों के समग्र नीति निर्माण, योजना, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। भारत सरकार ने तंबाकू छोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय क्विटलाइन की स्थापना की है, सेवाओं के लिए टोल फ्री क्रमांक 1800 112 356 पर कॉल करें या 011-22901701 पर मिस्ड कॉल दें। धूम्रपान का हर कश अनमोल जिंदगी के पल तेजी से कम करता है। तंबाकू जहर है, तुरंत छोड़ें, सुखी जीवन से नाता जोड़ें।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

एक चिरंतन सवाल- क्या प्रधानमंत्री चयन में गांधी ने कोई गलती की?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने अपने गृह सवाल में फिर उस आठ दशक पुराने सवाल को हवा दे दी है, जो आजादी के बाद प्रधानमंत्री के चयन से जुड़ा है, प्रधानमंत्री ने सीधे-सीधे तो गांधी जी पर कोई आरोप नही लगाए, किंतु यह अवश्य कहा कि यदि नेहरू की जगह सरदार होते तो देश का न तो तीन हिस्सों में विभाजन होता और न देश मेगं आतंकवाद का दंश होता और न ही दशकों से चला आ रहा अधीकृत कश्मीर (पीओके) का मसला होता। अर्थात अपरोक्ष रूप से मोदी जी का यह कहना है कि ये सब चिरंतन विवाद नेहरू जी की राजनीति की ही ऊपज है, जिन्हें सात दशक बाद भी देश झेलने को मजबूर है। मोदी का गांधी नगर की सभा में स्पष्ट कहना था कि- सरदार पटेल चाहते थे कि सेना तब तक न रूके, जब तक पीओके अपने कब्जे में न लेलें, पर सरदार की बात नही मानी गई। यदि 1947 में सरदार की बात मान ली गई होती तो भारत को इतनी लम्बी अवधि वाला आतंक का दर्द न झेलना पड़ता। मोदी का यह भी कहना था कि- सरदार पटेल पूरा कश्मीर लेने तक न युद्ध विराम चाहते थे और न संयुक्त राष्ट्र संघ में जाना किंतु सरदार की बात नही मानी गई और इस मामले को संयुक्त राष्ट्र में भी ले जाया गया, यह नेहरू की हटधर्मी थी।

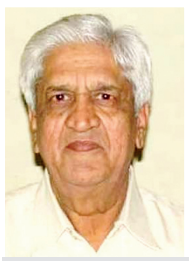

ओमप्रकाश मेहता
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

यद्यपि मोदी जी ने अपने भाषण में नेहरू पर सीधे-सीधे आरोप लगाने से बचने की कौशिश की, किंतु उनकी वाणी और उनकी भाव मुद्रा ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया और ईशारों-ईशारों में यह भी कह दिया कि आज देश में आंतकवाद, परिवारवाद तथा अन्य जो चिरंतन अपवादी मुद्दें है, वे सब नेहरू की देन है क्योंकि नेहरू खानदान से चालीस साल से भी अधिक देश पर राज किया और भी यह यह खानदान इसी दिशा में अग्रसर है। यद्यपि मोदी जी ने अपने लम्बें भाषण में गांधी जी पर कोई सीधे-सीधे आरोप नही लगाया, किंतु आजादी के बाद देश का प्रथम प्रधानमंत्री के चयन के मामले में मोदी जी ने कटाक्ष अवश्य किया और कहा कि यदि नेहरू की जगह सरदार पटेल के हाथों में सत्ता सौंपी गई होती तो आज देश में इतने लम्बे समय से चली आ रही आतंकवाद व पाकिस्तान जैसी समस्याऐं नही होती, क्योंकि देश का तीन हिस्सों में विभाजन भी पंडित नेहरू की ही देन है। सरदार पटेल अखण्ड भारत के प्रथम पक्षधर थे और उनकी सलाह यदि उस समय मानी गई होती तो आज देश कई चिरंतन समस्याओं से मुक्त होता। मोदी जी अपने जन्म से चार साल पहले देश में घटित राजनीतिक घटनाओं को लेकर काफी व्यथित है और आज जो देश में हर स्तर पर प्रमुख समस्याऐं है, उन्हें उन्हीं चिरंतन समस्याओं की देन बता रहे है। पर, अब राजनीतिक क्षेत्रों में यह सवाल उठाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री जी ने अपनी यह चिरंतन पीड़ा अपने गृह प्रदेश में ही जाकर उजागर क्यों की? औरवे पिछले ग्यारह साल से इस पीड़ा पीड़ित क्यों है? संभव है प्रधानमंत्री जी अपने इस पीड़ा पर उपजे सवाल का जवाब दो दिन बाद अपनी भोपाल यात्रा के दौरान दें? ऐसी उम्मीद अवश्य है।

अहिल्यादेवी होलकर: दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

- ललित गर्ग - | लेखक

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है। कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं।

ग्लोबल हेराल्ड

लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं। 31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई।

तमसो मा ज्योतिर्गमय- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं। रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान-परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंधारण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था। रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य भी किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है। दार्शनिक महारानीह्न की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट

महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा झटका

महाराष्ट्र मे डबल इंजन की सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने हजारों करोड़ के ठाणे ट्विन टनल और वसई एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट में पारदर्शिता की कमी को लेकर महाराष्ट्र सरकार को जमकर फटकारा है। इस परियोजना में मेघा इंजीनियरिंग नामक कंपनी को टेंडर देने का मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। विश्व प्रसिद्ध एलएंडटी कंपनी को टेक्निकल कारणों से महाराष्ट्र सरकार ने एलएंडटी को अयोग्य ठहराया। चौंकाने वाली बात यह थी। एलएंडटी की बोली मेघा इंजीनियरिंग से करीब 3000 करोड़ रुपये कम की थी। मेगा इंजीनियरिंग को टेंडर देने के लिए एलएनटी को अक्षम बताकर 3000 करोड़ ज्यादा राशि में यह टेंडर मेगा इंजीनियरिंग को दिया गया। यह टेंडर एमएमआरडीए द्वारा जारी किया गया था। जो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अधीन था। सुप्रीम कोर्ट ने इस चयन प्रक्रिया को मनमाना और अपारदर्शी बताते हुए कहा ,यह जनता के पैसे की बबार्दी है। एक तरह से यह रिश्वतखोरी और कदाचरण की ओर इशारा करता है।

चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा सरकार अपनी एफडी तोड़कर ये पैसा नहीं दे रही है। यह टैक्सपेयर का धन है।इसकी जवाबदेही तय होगी। इस मामले की चर्चा इस वजह से और भी तेज हुई। क्योंकि मेघा इंजीनियरिंग ने 2019 से 2024 तक करीब 966 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। जिनमें से 644 करोड़ का चंदा बीजेपी को दिया। मेघा इंजीनियरिंग ने इस टेंडर के मिलने के बाद कंपनी ने 115 करोड़ के नए चुनावी बॉन्ड खरीदे। इस पर अदालत ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट इस पूरे मामले को समझ गई है। मेघा इंजीनियरिंग को क्यों 3000 करोड रुपए ज्यादा में टेंडर दिया गया। एलएनटी को तकनीकी कारणों से क्यों बाहर किया गया। पिछले एक दशक से केंद्र एवं डबल इंजन की सरकार जिन-जिन राज्यों में है। वहां पर विकास के नाम पर इसी तरह की कार्रवाई चल रही है। चुनावी बॉन्ड सत्ता में बैठे राजनीतिक दलों के लिए खुलेआम रिश्वत लेने के लिये नया जरिया बन गए थे? महाराष्ट्र सरकार की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। महाराष्ट्र सरकार के पास जरूरी योजनाओं के लिए जिसमें फसल खरीदने और किसानों को पैसा नहीं दे पा रही है। स्कूल गोद लो योजना के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। जिससे शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है।लाडली बहना योजना का भुगतान नहीं हो पा रहा है। ऐसे में एक ही प्रोजेक्ट में 3000 करोड़ रुपये की मेघा इंजीनियरिंग पर जो कृपा महाराष्ट्र सरकार द्वारा बरसाई गई है। यह टैक्सपेयर्स और आम जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा नही है? सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को टेंडर रद्द करने, पुनर्निविदा की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश महाराष्ट्र सरकार को दिया है। ऐसा नहीं होने पर न्यायालय के आदेश का इंतजार करने की चेतावनी महाराष्ट्र सरकार को दी है। यह मामला सिर्फ टेंडर की पारदर्शिता का नहीं, बल्कि सरकार की राजनीतिक एवं प्रशासनिक जवाबदेही का भी है। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख से स्पष्ट हो गया है, कि डबल इंजन की सरकारों में विकास के नाम पर जो योजनाएं संचालित की जा रही हैं उसमें किस लेवल पर भ्रष्टाचार हो रहा है। चुनावी बांड के जरिए किस तरह से रिश्वत का नया खेल भारत में शुरू हुआ था। पिछले कुछ वर्षों से राम के नाम पर जिस तरह का भीड तंत्र तैयार किया गया है। भाजपा ने आम जनता के बीच यह छ?बि बनाई है। भाजपा नेता ईमानदार हैं। ?विपक्ष भ्रष्टाचारी है। ?पिछले वर्षों में ??विपक्षी दलों की बेईमान और राम नाम जपने वालों को ईमानदार बताया गया है। राम के नाम पर जो लूट हो रही है, उसका खुलासा सुप्रीम कोर्ट में इस केस के माध्यम से हुआ है। धार्मिक उन्माद और राम के नाम पर डबल इंजन की सरकारें बनी है। अपनी जवाबदेही से बच रही हैं। एलएनटी जैसी संस्था जो तकनीकी के मामलों में भारत ही नहीं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रुप में स्था?पित है। जिसने राम मंदिर के निर्माण में महती भूमिका का निर्वाह किया है। उसे भी डबल इंजन की सरकार के मुख्य पदों पर बैठे हुए लोगों द्वारा अपने निजी और राजनीतिक लाभ के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। इससे बड़ा कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए परत दर परत सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उसके बाद यह आवश्यक हो गया है। चुनावी बांड के जरिए जो रिश्वतखोरी सरकारों द्वारा की गई है। कुछ चुनिंदा कंपनियों को ही काम दिया गया है। इन सभी मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट को कराना जरूरी हो गया है। यदि यह नहीं हुआ तो यह भ्रष्टाचार इसी तरीके से बढ़ता और चलता रहेगा। सुप्रीम कोर्ट और जनता की अदालत को तय करना होगा। वह विकास के नाम पर अभी जो लूट हो रही है। उसकी जवाब देही सरकारों के लिए तय करना चाहती है या नहीं इसमें सुप्रीम कोर्ट की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सदाचार की परीक्षा

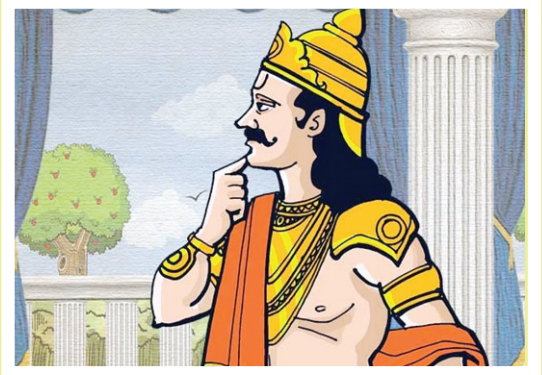

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है। वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद आज 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182.01 अंक (0.22फीसदी) की गिरावट के साथ 81,451.01 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 82.90 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी टूटकर 24,750.70 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

आज सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 25 कंपनियों

के शेयर नुकसान के साथ नीच आये और लाल निशान पर हुए। वहीं दूसरी ओर, आज निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 7 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 42 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 4.95 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी की गिरावट रही। इनके अलावा, आज भारतीय स्टेट बैंक के शेयर 1.98 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.68 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.64 फीसदी और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा के शेयर 1.73 फीसदी, इंफोसिस 1.54 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.53 फीसदी, एनटीपीसी 1.53 फीसदी, सनफार्मा 1.40 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.29 फीसदी, टाटा स्टील 1.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.24 फीसदी, पावरग्रिड 1.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। इनके अलावा आज टाइटन, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। अमेरिका की अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए सबसे बड़े टैरिफ को अस्थायी रूप से फिर से लागू कर दिया है। इससे आईटी स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिला और बाजार नीचे की तरफ फिसल गया। वहीं ए??शियाई एशियाई बाजारों में गिरावट आई। धीमी होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था, लगातार मुद्रास्फीति की आशंका और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर कानूनी अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। निक्केई में 1.48 फीसदी की गिरावट आई।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 85.56 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से रुपया शुरूआती कारोबार में 19 पैसे मजबूत होकर 85.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.29 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.48 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसद की बढ़त के साथ 99.36 पर रहा।

सोने का भाव 95,700 और चांदी लगभग 97,200 रुपए किलो

नई दिल्ली ■

सोने-चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को शुरूआत में नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में आज सोने के भाव 95,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 660 रुपये की गिरावट के साथ 95,799 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,459 रुपये था। इस समय यह 729 रुपये की गिरावट के साथ 95,730 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत

सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 574 रुपये की गिरावट के साथ 97,252 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,826 रुपये था। इस समय यह 606 रुपये की गिरावट के साथ 97,220 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,315.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,317.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 18.29 डॉलर की गिरावट के साथ 3,299.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.45 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.42 डॉलर था।

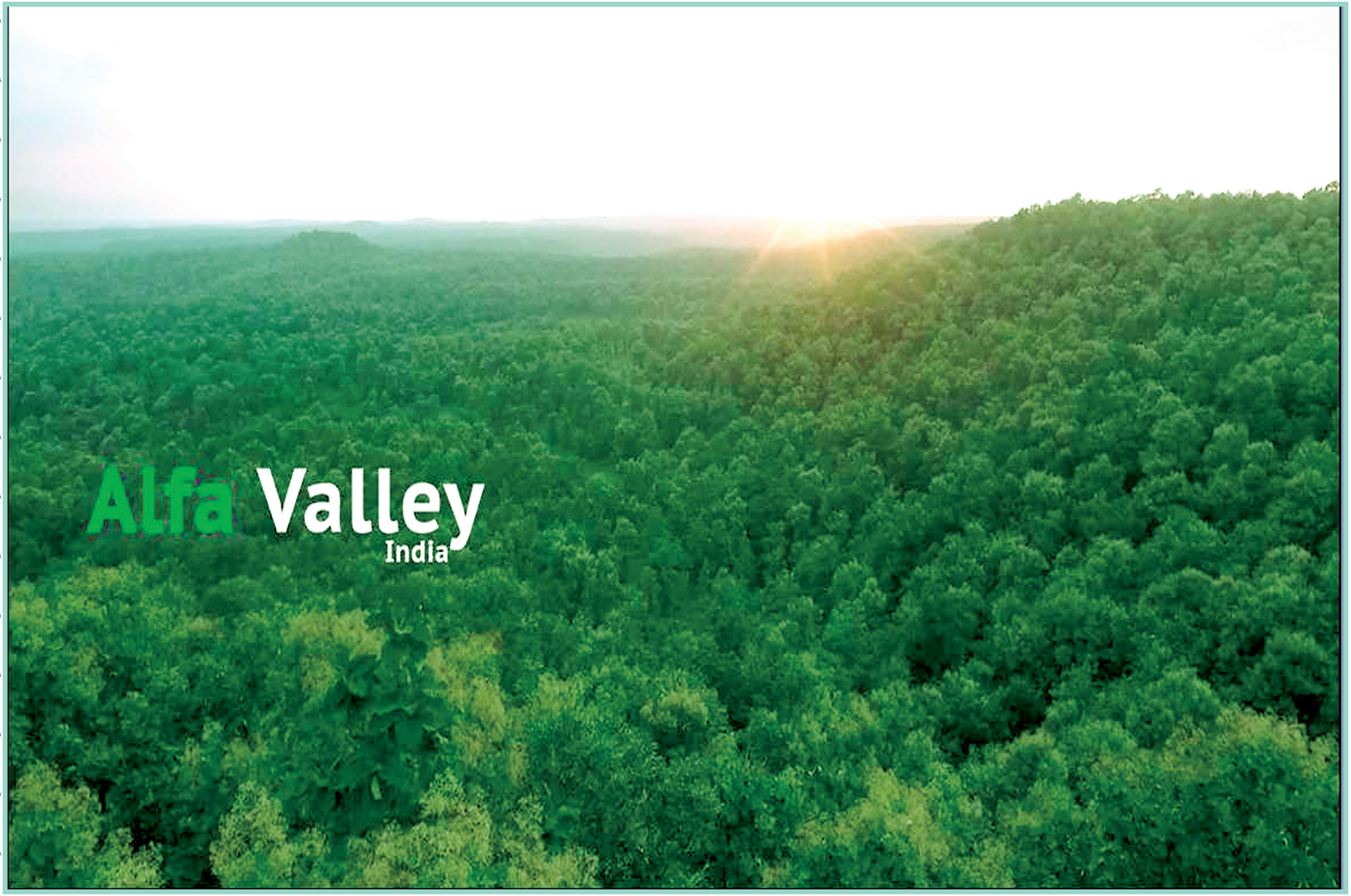

Alfa Valley
India

मनोरंजन

माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा: रकुल प्रीत

हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक किताब का पन्ना शेयर किया, जिसमें जिंदगी से जुड़ी गहरी बात छिपी हुई थी। दरअसल, इस पन्ने पर लिखा था- आपके सोचने का तरीका, हमारी जिंदगी की बुनियाद होता है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कैप्शन में लिखा, माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा। रकुल का यह पोस्ट इस बात का सबूत है कि वह अपने फैंस का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि जिंदगी से जुड़ी प्रेरणाएं भी उन्हें देती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पिता के साथ एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने पिता के साथ स्कूटर पर बैठी हुई दिखाई दीं। यह तस्वीर उनके बचपन की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।

किंग में राघव जुयाल और सौरभ शुक्ला की भी एंट्री

एक्शन से भरपूर फिल्म किंग में बालीवुड एक्टर शाहरुख खान और डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद एक बार फिर साथ आ रहे हैं। प्रोड्यूसर्स ने इस फिल्म में बड़े-बड़े कलाकारों को शामिल किया है। इस फिल्म में राघव जुयाल और सौरभ शुक्ला की भी एंट्री हो गई है। गौरतलब है कि राघव जुयाल को फिल्मों और रियलिटी शोज में डांस और कॉमेडी के लिए काफी पसंद किया जाता है। लेकिन उन्होंने फिल्म किल में जो विलेन का रोल निभाया, वह फैंस के दिलों में घर कर गया है। सूत्रों ने बताया कि राघव जुयाल किंग में अहम रोल निभाने के लिए शामिल हुए हैं। बता दें कि राघव जुयाल शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म - द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक राघव जुयाल के अलावा दिग्गज एक्टर सौरभ शुक्ला भी किंग की कास्ट में शामिल हो गए हैं। सूत्रों की मानें तो सौरभ शुक्ला ने शाहरुख और सुहाना के साथ मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में सुहाना के जन्मदिन पर सौरभ शुक्ला ने इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की थी। जिसमें लिखा था शाहरुख खान के साथ बहुत साल के बाद और छोटी प्रिंसेस के साथ पहली बार काम कर रहा हूं। पठान, जवान और डंकी के बाद शाहरुख खान के फैंस को अब फिल्म किंग का काफी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद ही डायरेक्ट करेंगे। शाहरुख खान और सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म पठान में भी साथ काम किया था। उनकी यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

गलवान क्लैश पर आधारित फिल्म की तैयारी कर रहे सलमान

बालीवुड अभिनेता सलमान खान के फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सलमान खान का अगला प्रोजेक्ट निर्देशक अपूर्व लखिया के साथ होगा और गॉसिप्स गलियारों की मानें तो सलमान खान ने इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान ने लो-ऑक्सीजन यानि ऑक्सीजन की कमी वाले हालातों में ट्रेनिंग करना शुरू कर दिया है। दरअसल सलमान खान की यह अपकमिंग फिल्म 2020 में गलवान क्लैश पर आधारित बताई जा रही है। इस वॉर ड्रामा फिल्म के लिए सलमान खान को ना सिर्फ मेंटली बल्कि फिजिकली भी काफी तैयारी करनी होगी। उन्हें पर्दे पर गजब का ट्रांसफॉर्मेशन दिखाना होगा और वही चीज शूटिंग में भी दिखनी जरूरी है क्योंकि सलमान खान को टीम के साथ काफी टफ हालातों में यह फिल्म शूट करनी होगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले में बताया गया है कि लेह के हाई एल्टिट्यूड में शूट करने के लिए तैयारी कड़ी करनी होगी। कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू के किरदार में उतरना सलमान खान के लिए आसान नहीं होगा। सलमान खान ने इसके लिए एक काफी टफ ट्रेनिंग करने का अपने आप से वादा किया है और प्रोफेशनल हेल्प भी ले रहे हैं। सलमान खान को सिर्फ अपनी यूनिफॉर्म और किरदार का ही नहीं, बल्कि कहानी का भी वजन उठाना है।

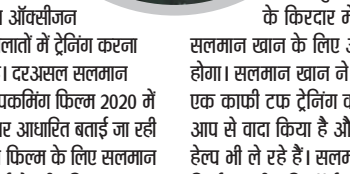

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

सात्विक-चिराग सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में

मलेशियाई की वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी को सीधे गेम में हराया, आज सोह-चिया से मुकाबला होगा

सिंगापुर ■ एजेंसी

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी शुक्रवार को सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस जोड़ी ने गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की मलेशिया की वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी को 39 मिनट चले मुकाबले में सीधे गेम से हराया। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस से जूझ रही भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दमदार डिफेंस दिखाया और नेट के शानदार इस्तेमाल से 21-17, 21-15 से जीत दर्ज किया। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का सामना डब्ल्यू वाई सोह और ए चिया की तीसरी सीड मलेशियाई जोड़ी से होगा। यह मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

सीजन के तीसरे सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग

भारतीय जोड़ी के लिए यह इस सत्र का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वे इस साल मलेशिया और इंडिया ओपन में भी अंतिम-चार चरण में पहुंचे थे। सात्विक और चिराग की पूर्व नंबर एक जोड़ी का इससे पहले मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-2 था। हालांकि, गोह-नूर की जोड़ी ने दोनों जोड़ियों के पिछले मुकाबले में सात्विक और चिराग को हराया था।

सात्विक के स्मैश ने बढ़त दिलाई

मैच की शुरुआत से दोनों जोड़ियां एक-दूसरे पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही थी, जिससे शुरुआती गेम में स्कोर 7-7 की बराबरी पर था। सात्विक की शानदार सर्विस से ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी ने तीन अंक की बढ़त कायम कर ली। भारतीय जोड़ी ने दबाव बनाए रखते हुए 15-11 की बढ़त कायम की। मलेशिया की जोड़ी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सात्विक के बेहद दमदार स्मैश का उनके पास कोई जवाब नहीं था। भारतीय जोड़ी ने तीन मैच प्वाइंट हासिल किए और गोह सर्विस के रिटर्न शॉट को नेट पर खेल बैठे।

जोकोविच तीसरे राउंड में पहुंचे:वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते, गौफ लगातार पांचवें साल तीसरे दौर में

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सर्बिया के नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने गुरुवार को फ्रेंच खिलाड़ी कोरेंटिन माउटे को 6-3, 6-2, 7-6 से हराकर मेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में प्रवेश किया। इस मैच में उन्हें बाएं पैर में कुछ समस्या हुई, जिसके लिए उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मजबूती से वापसी की और टाईब्रेक में दबदबा बनाए रखा।

इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर भी मेंस सिंगल्स के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। वर्ल्ड नंबर-1 सिनर ने दूसरे दौर में फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गैस्के को सीधे सेटों में 6-3, 6-0, 6-4 से हराया। यह मैच गैस्के के 23 साल लंबे करियर का अंतिम मुकाबला था, जिसमें उन्हें कोर्ट पर इमोशनल विदाई दी गई। इस जीत के साथ 23 साल सिनर ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में लगातार 16वीं जीत दर्ज की है, जो 2008 में राफेल नडाल के 19 मैचों की जीत के बाद सबसे लंबी जीत श्रृंखला है। सिनर का अगला मुकाबला तीसरे दौर में चेक गणराज्य के खिलाड़ी जिरी लेहेका से होगा। जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 2025 फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने डच खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग को चार सेटों में 3-6, 6-1, 6-2, 6-3 से हराया।

वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मिले प्रधानमंत्री

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पटना एयरपोर्ट पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। 14 साल के वैभव ने आईपीएल में अपने आक्रामक खेल से सभी का ध्यान खींचा है। उसके बाद से ही प्रधानमंत्री इस उभरते क्रिकेटर की सराहना करते आये हैं।

प्रधानमंत्री की वैभव के परिवार से यह मुलाकात तब हुई जब वह अपने चुनावी दौरे पर बिहार पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा, युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिलकर खुशी। उनके क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री से मिली प्रशंसा के बाद वैभव और उनका परिवार बेहद प्रसन्न नजर आया। वैभव ने भी प्रधानमंत्री के पैर छूए ओर उनके आर्शिवाद को प्रेरणादायक बताया और कहा कि इस मुलाकात से उन्हें अपने लक्ष्य की ओर और भी अधिक समर्पित होकर प्रयास करने की प्रेरणा मिलेगी।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप...

अविनाश ने रचा इतिहास 36 साल बाद 3000मी स्टीपलचेज में गोल्ड दिलाया, पूजा को भी सोना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर 36 सालों बाद भारत को इस इवेंट में गोल्ड मेडल दिलाया। वहीं, 18 साल की पूजा ने भी गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने 1.89 मीटर की छलांग लगाई। साउथ कोरिया के गुमी में जारी इस प्रतियोगिता में अविनाश से पहले भारत ने पिछली बार 1989 में इस इवेंट में गोल्ड जीता था, तब दीना राम ने ये कारनामा किया था। वहीं 1975 में हरबेल सिंह स्टीपलचेज में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। इसके अलावा, पूजा से पहले बॉबी एलॉयसियस ने 2000 में गोल्ड जीता था। साबले ने कहा, मुझे गोल्ड मेडल जीतने का पूरा भरोसा था, क्योंकि मैं इस क्षेत्र में बेस्ट था। ज्योति ने भी गोल्ड जीता ज्योति याराजी ने 100 मीटर के हर्डल रेस को महज 12.96 सेकंड में पूरा करके गोल्ड मेडल जीता। ज्योति का पिछला रिकॉर्ड 12.99 सेकंड का था। भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 14 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश दूसरे पायदान पर हैं। भारत ने 5 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था।

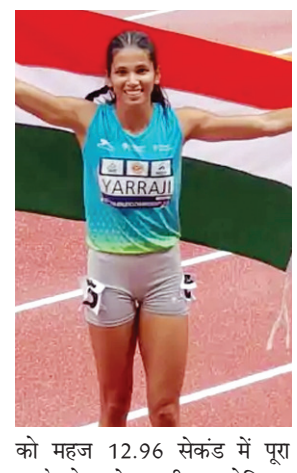

गुलवीर सिंह ने पहला गोल्ड दिलाया

मंगलवार को नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में गोल्ड जीता। यह इस एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड था। पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर में 4 मिनट 10 सेकेंड का समय लेकर एक और सिल्वर मेडल जीता। वहीं दिल्ली की लिली दास इस रेस में चौथे स्थान पर रही। चीन की ली चुनहुई ने स्वर्ण पदक जीता।

जडेजा भी बनना चाहते हैं भारतीय टीम का कप्तान

नई दिल्ली। शुभमन गिल के इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद अब ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के मन में भी कप्तान बनने की इच्छा जोर मारने लगी है। जडेजा का कहना है कि वह भी भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहते हैं। जडेजा के अनुसार उन्होंने कई कप्तानों के साथ काम किया है इसलिए वह जानते हैं कि कप्तानी कैसे की जाती है। क्या वह भारत के टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं , यह पूछे जाने पर जडेजा ने कहा, हां , बिल्कुल। इतने सालों में मैने अलग अलग कप्तानों के साथ खेला है। मुझे हर कप्तान की शैली के बारे में पता है और यह भी समझता हूं कि खिलाड़ी क्या सोचते हैं और चाहते हैं।'' जडेजा ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया था और आईपीएल में भी उनकी कप्तानी में वह चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेले हैं। जडेजा ने कहा ,''हर कप्तान की अपनी शैली होती है।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

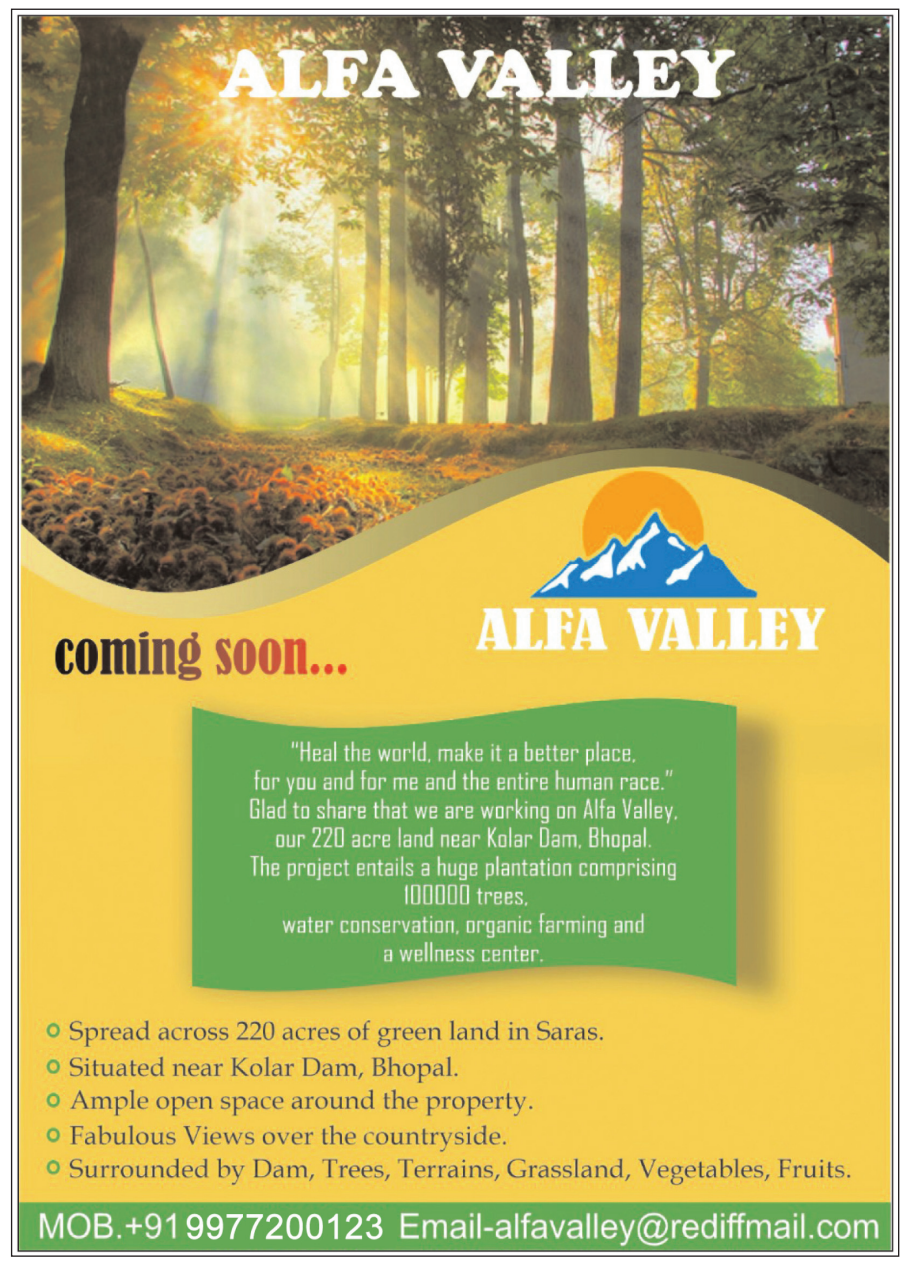

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com